UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत तेज न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-217 | कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में | उरई (जालौन) सोमवार 20 जुलाई 2026 | youngbharatE-paper.com

उत्तर प्रदेश में 2024 की गलती नहीं दोहराएगी बीजेपी, बूथ प्रबंधन पर फोकस

संगठन महामंत्री ने संभाला बूथ मैनेजमेंट का मोर्चा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: भारतीय जनता पार्टी को साल 2024 में खराब बूथ मैनेजमेंट का परिणाम भुगतना पड़ा था. 2019 के मुकाबले 2024 में भाजपा का परिणाम बहुत खराब रहा था. इस खराब परिणाम को इस बार अच्छे परिणाम में बदलने के लिए 2027 चुनाव की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पहल कर दी है.

बूथ जीता, तो चुनाव जीता': उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर व्यापक तैयारी शुरू कर दी है. संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह पूरा फोकस बूथ प्रबंधन पर कर रहे हैं. धर्मपाल सिंह स्वयं पूरे प्रदेश का दौरा कर विधानसभा-वार सामाजिक समीकरणों, संगठन की स्थिति और बूथ स्तर की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं

सोशल इंजीनियरिंग पर जोर: बीजेपी का लक्ष्य प्रदेश के सभी जिलों तक पहुंचकर स्थानीय परिस्थितियों का प्रत्यक्ष आंकलन करना और फीडबैक लेना है. प्रत्येक सीट के लिए प्रभावी सोशल इंजीनियरिंग का खाका तैयार किया जा रहा है. चुनाव के लिए सामाजिक ताने-बाने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अलग-अलग रणनीति पर काम किया जा रहा है.

हैवान बना स्कूल वैन ड्राइवर, नर्सरी में पढ़ रही 4 साल की बच्ची से रेप; डर के साए में मासूम

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश् की राजधानी लखनऊ से एक शर्मसार और हैरान कर देने वाली खबर आई है। यहां के तालकटोरा इलाके में एक स्कूल वैन के ड्राइवर ने चार साल की नर्सरी की छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इस घटना से मासूम बच्ची इतनी डरी और सहमी थी कि किसी के सामने मुंह नहीं खोल सकी। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिवारीजनों को घटना की जानकारी हुई। मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पीड़ित बच्ची की मां ने बताया कि उनकी चार साल की बच्ची राजाजीपुरम के एक निजी स्कूल में नर्सरी की छात्रा है। बच्ची को लाने-ले जाने के लिए उन्होंने वैन लगवाई थी। वैन, उन्नाव का रहने वाला

गिरीश मिश्रा चलाता था। शुक्रवार को बेटी स्कूल से आई तो डरी-सहमी थी। शनिवार को बच्ची की तबीयत और ज्यादा खराब हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों की जांच में सामने आया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। मासूम बच्ची के साथ रेप किए जाने की बात सुनकर उसकी मां सन्न रह गई। एकबारगी उन्हें इसका विश्वास नहीं हुआ लेकिन जब डॉक्टर ने उन्हें बच्ची की स्थिति के बारे में बताया तो गम और गुस्से से भर गईं। उन्होंने एक बार फिर बच्ची से इस बारे में बात कर सारी जानकारी ली और पुलिस से मामले की शिकायत की। वैन ड्राइवर की हैवानियत की शिकार हुई बच्ची के माता-पिता दोनों निजी कंपनी में काम करते हैं। मां ने बताया कि जब उन्होंने बच्ची से पूछा तो डर के मारे वह कुछ नहीं बोल पाई। लेकिन उसके चेहरे और भावों ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसे बहुत कुछ सहना पड़ा है। इसके बाद उन्होंने तालकटोरा थाने में मामले की शिकायत की। पुलिस ने आरोपी वैन ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। जब बच्ची को थाने में आरोपी के सामने लाया गया तो वह उसे देखते ही बिलख पड़ी। बच्ची ने रोते हुए मां को बताया कि आरोपी गिरीश कई दिनों से उसके साथ गलत काम कर रहा था। बच्ची की बात सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इंस्पेक्टर तालकटोरा ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

जल शक्ति मंत्री और अपर मुख्य सचिव दोनों ने स्वीकार किया की जालौन जिले में काम ठीक से नहीं हुआ

पत्रकारों के तीखे सवालों को नहीं झेल पाये जलशक्ति मंत्री

- जालौन जनपद में सैकड़ों करोड़ की नमामि गंगे योजना में भ्रष्टाचार के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बात कही
- जैसे ही प्रमुख पत्रकारों के सवालों का दबाव बढ़ा तो प्रेसवार्ता छोड़कर चमारी गांव में चले गये जलशक्ति मंत्री और अपर मुख्य सचिव

प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

चमारी (जालौन)। प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आज स्वीकार किया कि

जालौन जिले में जल शक्ति विभाग का काम ठीक से नहीं हुआ है और इसे जल्दी ठीक कराया जाएगा इसके पूर्व अपने भाषणों में अपर मुख्य सचिव जल शक्ति मंत्रालय उत्तर प्रदेश अनुराग श्रीवास्तव ने भी स्वीकार किया कि जालौन जिले में हर घर को नल से जल देने का काम ठीक से नहीं हुआ है जल शक्ति मंत्री आज जालौन जिले के ग्राम चमारी जल अर्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए थे और समारोह के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रही थे एक सवाल के जवाब में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने स्वीकार किया कि पूर्वांचल में जल शक्ति विभाग में जो भ्रष्टाचार कर रहे थे उन दो दर्जन से अधिक भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ निलंबन तक की कड़ी कार्रवाई की गई है यह पूछे जाने पर कि पूर्वांचल की तरह बुंदेलखंड के सातों जिलों में तमाम अधिकारियों ने जमकर भ्रष्टाचार किया है इस पर हरबड़ाते हुए प्रदेश के

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने कहा कि बुंदेलखंड के जल शक्ति विभाग के भ्रष्ट्र अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई हो रही है यह पूछे जाने पर उन पर कारवाई कब होगी और और मीडिया और जनता के सामने भ्रष्ट अधिकारियों के नाम कब आएंगे इस पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा की पूर्वांचल की तरह बुंदेलखंड के भ्रष्ट अधिकारियों खिलाफ हुई कार्रवाई भी मीडिया और जनता के सामने शीघ्र आएगी एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा की उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में तमाम कंपनियां जो बाहर की हैं वह जनशक्ति विभाग में ठेकेदारी कर रही है जिन ठेकेदारों और कंपनियों की काम की गुणवत्ता कम पाई गई है उन्हें नोटिस दिया गया है कुछ कंपनियों को ब्लैकलिस्टेड किया गया है कुछ कंपनियों को नया काम दिया गया है इस कारण से बुंदेलखंड में जालौन सहित विभिन्न जिलों में काम में देरी हुई है लेकिन जो भी गलती करेगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी इसके पूर्व कार्यक्रम को विधायक विनोद चतुर्वेदी बीजेपी जिला अध्यक्ष उर्वजा दीक्षित विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी मूलचंद निरंजन विधायक गौरी शंकर वर्मा एमएलसी रामा निरंजन तथा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के भाजपा के अध्यक्ष रामकिशोर साहू ने जल अर्पण समारोह को संबोधित किया जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे ने समारोह को संबोधित किया के दौरान पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ष्त्रश्च कमलेंद्र कुमार सिंह सहित विभिन्न अधिकारी तथा भाजपा रामपुर ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह सिंगर नेता अभय द्विवेदी प्रोफेसर रविकांत द्विवेदी दिलीप दुबे रामेन्द्र सिंह बना हरेंद्र विक्रम सिंह भाजपा नेत्री शीतल कुशवाहा जल सहेलियां तथा परमार्थ समाजसेवी संस्था के वरुण प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखें इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड में और प्रदेश में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा किए जा रहे कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 4 करोड लोगों को मकान देने 15 करोड लोगों को गैस सिलेंडर देने किसानों को किसान निधि गरीब बच्चियों की शादी अनुदान बेरोजगार युवकों को सब्सिडी युक्त कर्ज देकर रोजगार बढ़ाने की बात कही है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कभी नहीं भूलना के वह तुम्हारी जीवन की नैया के खेवनहार मंत्री स्वतंत्र देव ने जल सहेलियों की पचंदा से दिल्ली तक की 500 किलोमीटर की पदयात्रा की बहुत सराहना की इसके पूर्व उन्होंने जल अर्पण समझ में जल से भारी कलश ग्राम प्रधान बृजेश को देते हुए सभी से शपथ दिलवाई सभी लोग अपने-अपने स्तर पर जल बर्बाद नहीं करेंगे जल का संरक्षण करेंगे उन्होंने कहा जिलाधिकारी आगे आने वाले समय में इस ग्राम के जल स्तर 10 फिट ले जाएंगे समारोह की अध्यक्षता भाजपा की जिला अध्यक्ष और विजय दीक्षित ने तथा संचालन शिक्षक समाजसेवी युद्धवीर कंथारिया ने किया

- पांच साल से खुदी पड़ी है गांवों की सड़कें, न तो सड़कें बनी न ही नल से सभी जगह आया जल, कार्यक्रम में मुंह छुपाये घूमता रहा नोडल अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता जल निगम अंचल गुप्ता

प्रशिक्षु आईएएस रिंकू सिंह ने डीएम जालौन के सिर पर फोड़ा भ्रष्टाचार, अनियमित्तायें, नेताओं को खुश करने और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के आरोपों का बम

प्रशिक्षु आईएएस ने कहा कि मुझे जालौन के उपजिलाधिकारी पद से गलत ढंग एवं गलत इरादे से हटाया गया, उन्होंने जिलाधिकारी पर तमाम गंभीर आरोप लगाये

- प्रशिक्षु आईएएस ने खोल दी डीएम के गोरखधंधों की सारी पोल-पट्टी
- यह भी कहा कि मुझे जालौन से हटाने के बाद डीएम ने राजेश पांडेय ने मुझे अपने आवास पर तीन दिन डिनर कराया और पूरे वक्त मुझे समझौतावादी होने के लिए मनाते रहे, इनडायरेक्ट डराया और फुसलाया भी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद जालौन में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के पद पर तैनात एक आईएएस अधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग को भेजे गए विस्तृत पत्र में जिलाधिकारी सहित जिला प्रशासन की कार्यशैली पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्र में सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, शिकायतों के निस्तारण, अवैध कब्जों, सोशल ऑडिट और प्रशासनिक संस्कृति से जुड़े अनेक मुद्दों का उल्लेख किया गया है।

अधिकारी ने अपने पत्र में कहा है कि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ([illegible]) में प्रशिक्षण के बाद शाहजहांपुर में हुई एक घटना के पश्चात उन्हें लगभग एक वर्ष तक राजस्व परिषद से संबद्ध रखा गया, जहां बिना किसी कार्यदायित्व के वेतन प्राप्त करने की स्थिति बनी। उन्होंने इसे अपने नैतिक सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए कार्य के अनुरूप वेतन लेने की बात कही। बाद में उनकी तैनाती जालौन में उपजिलाधिकारी के रूप में की गई। पत्र में दावा किया गया है कि जालौन में कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत और प्रत्येक मोहल्ले के लिए अलग-अलग व्हाट्सएप समूह बनवाए। इन समूहों में संबंधित अधिकारी, कर्मचारी तथा आम नागरिकों को जोड़ा गया ताकि वास्तविक समय में सामाजिक लेखापरीक्षा (रियल टाइम सोशल ऑडिट) हो सके।

अधिकारी का कहना है कि इन समूहों के माध्यम से ग्राम पंचायत सचिव, लेखपाल, सफाई कर्मचारी और अन्य क्षेत्रीय कर्मचारियों की वास्तविक उपस्थिति तथा कार्य निष्पादन का आकलन संभव हुआ। इसके जरिए कई मामलों में नागरिकों ने सरकारी अभिलेखों और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर भी उजागर किया। अधिकारी ने आरोप लगाया है कि बार-बार अनुरोध के बावजूद कई महत्वपूर्ण सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की गईं। इनमें लेखपालों और ग्राम पंचायत सचिवों की दैनिक उपस्थिति, लंबित कार्यों का विवरण, प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची, मनरेगा कार्यों का विवरण, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों की सूची तथा विकास कार्यों की डीपीआर, स्वीकृतियां और निविदा संबंधी जानकारी शामिल थीं। उनका कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों से अनुरोध करने के बावजूद इन सूचनाओं को सार्वजनिक नहीं किया गया, जिससे पारदर्शिता प्रभावित हुई।

उन्होंने कहा कि मैंने सरकार को लिखकर भेज दिया है कि यदि मुझसे पूरा काम नहीं लिया जा रहा है तो मैं वेतन भी आधा लूंगा यही नहीं उन्होंने डीएम को लक्ष्य करके कहा कि यदि वे मुझसे दिक्कत महसूस कर रहे हैं तो मेरा कैडर चेंज कराके दूसरे प्रदेश में भिजवा दें, मगर मैं किसी प्रकार का मर्यादाहीन समझौता नहीं करूंगा न ही विधायक और मंत्री के दबाव में आउंगा

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि विभिन्न शिकायतों की जांच के दौरान तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, पुलिस अधिकारियों और अन्य विभागों द्वारा प्रस्तुत आख्या का जब उपलब्ध साक्ष्यों तथा सोशल ऑडिट से मिलान किया गया तो कई मामलों में असंगतियां सामने आईं। अधिकारी के अनुसार इससे विस्तृत जांच की आवश्यकता महसूस हुई। आईएएस अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध खनन की जांच संयुक्त टीम से कराने पर पहले से सूचना लीक हो जाती थी, जिससे कार्रवाई प्रभावी नहीं हो पाती थी। इसी प्रकार उन्होंने आरोप लगाया कि [illegible] और एंटी भू-माफिया पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण को स्वीकार करने का दबाव बनाया गया ताकि जिले की रैंकिंग बेहतर बनी रहे। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पत्र में एक गंभीर आरोप यह भी लगाया गया है कि एक जनप्रतिनिधि के समक्ष जिलाधिकारी द्वारा कथित रूप से यह निर्देश दिया गया कि अवैध कब्जों के मामलों में कार्रवाई न की जाए। अधिकारी का कहना है कि उन्होंने इस स्थिति में प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई का रास्ता अपनाने का प्रयास किया। अधिकारी ने अपने पत्र में यह भी लिखा है कि एक कोल्ड स्टोरेज की जांच के दौरान विवाद उत्पन्न हुआ, जिसे उन्होंने सुनियोजित षड्यंत्र बताया है। उनका कहना है कि इस मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है, लेकिन समिति की रिपोर्ट आने से पहले ही उनका स्थानांतरण उपजिलाधिकारी से उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के पद पर कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस स्थानांतरण का प्रभाव केवल उन पर ही नहीं पड़ा बल्कि उन अधिकारियों और कर्मचारियों के मनोबल पर भी पड़ा जो पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करना चाहते थे। अपने पत्र में अधिकारी ने वर्तमान कार्यदायित्व का भी उल्लेख किया है। उनका कहना है कि उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के रूप में प्रतिदिन लगभग दो से चार घंटे का ही कार्य है। इसी आधार पर उन्होंने 'जितना कार्य, उतना वेतन' के सिद्धांत का हवाला देते हुए 22 जुलाई 2026 से केवल आधा वेतन लेने की इच्छा व्यक्त की है। पत्र में जिलाधिकारी के जनता दर्शन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। अधिकारी का कहना है कि शिकायतों का केवल तात्कालिक समाधान किया जाता है, जबकि स्थायी समाधान के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी गांव में सफाई की शिकायत आती है तो केवल सफाई करा देने से समस्या का मूल कारण समाप्त नहीं होता। आवश्यक है कि संबंधित सफाई कर्मचारी की तैनाती, उपस्थिति और उत्तरदायित्व की भी जांच हो। इसी प्रकार सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों में उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित लेखपाल, तहसीलदार या अधिशासी अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं की जाती, जबकि उनके दायित्वों के अंतर्गत सरकारी भूमि का संरक्षण शामिल है। हालांकि, यह उल्लेख करना आवश्यक है कि पत्र में लगाए गए सभी आरोप संबंधित आईएएस अधिकारी के व्यक्तिगत दावे हैं।

इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही शासन द्वारा इन पर कोई अंतिम निष्कर्ष जारी किया गया है। यदि शासन स्तर पर इन आरोपों की जांच होती है, तो जांच रिपोर्ट के आधार पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल इस पूरे मामले ने जालौन के प्रशासनिक तंत्र और सुशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब निगाहें उत्तर प्रदेश शासन पर टिकी हैं कि वह इस पत्र में लगाए गए आरोपों पर क्या निर्णय लेता है तथा क्या किसी उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए जाते हैं। साथ ही जिलाधिकारी अथवा जिला प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया भी सामने आना शेष है।

अध्यक्ष गौ-सेवा आयोग की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। अध्यक्ष गौसेवा आयोग श्याम बहारी गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न गोआश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित गोवंशों के संरक्षण, भरण-पोषण, चिकित्सा एवं मूलभूत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अध्यक्ष गौ सेवा आयोग ने गोवंशों के समुचित रख-रखाव को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोशालाओं में संरक्षित गोवंश को वर्षपर्यंत हराचारा उपलब्ध कराने के लिए विकास खण्डों में चिन्हित चारागाह भूमि पर बुआई तत्काल कराई जाए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां हरे चारे की बुआई की जानी है, वहां संबंधित खण्ड विकास अधिकारी स्वयं सत्यापन कर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराएं कि बुआई का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष गौ सेवा आयोग श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त जनप्रतिनिधियों से एक-एक गोशाला गोद लेने हेतु आग्रह किया जाए एवं उनकी निधि के माध्यम से उस गौ आश्रय स्थल में आधारभूत संरचना से आच्छादित कराने हेतु निवेदन किया जाए। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी ग्राम पलींदा में गोआश्रय स्थल को गोद लिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु को देखते हुए किसी भी गोआश्रय स्थल में जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी नियमित निरीक्षण कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा या बीमारी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नर और मादा बच्चों सहित बीमार गौवंश को पृथक् रखा जाए और समय से उनका इलाज कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री सहभागिता योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर रहे सहभागियों का सत्यापन कराया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थियों द्वारा गोवंशों का समुचित संरक्षण एवं भरण-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों द्वारा अधिक सुपुर्दगी की जाएगी उनको सम्मानित किया जाएगा, यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। अध्यक्ष गौसेवा आयोग श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने गोवंश संरक्षण से संबंधित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि गोआश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चारागाह के चारों ओर मोरिंगा के पेड़ लगाने तथा नेपियर घास लगाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशों के संरक्षण एवं देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ करें।

युवा श्रद्धालुओं व विशेष सहयोगियों का किया सम्मान

भगवान जगन्नाथ सेवा समिति की बैठक में मंदिर को भव्य स्वरूप देने का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रविवार को जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ सेवा समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संजय नौराई ने की !भव्य रथयात्रा में विशेष सहयोग करने वाले युवा श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया।

बैठक में समिति सदस्यों ने बताया कि मंदिर 188 वर्ष पुराना हैं। सभी ने मंदिर का जीर्णोद्धार करने एवं भव्य स्वरूप देने हेतु संकल्प लिया। सभी भक्तों से अनुरोध किया गया कि मंदिर के इस पुनीत कार्य सभी तन, मन, धन से सहयोग करें। दुर्गा उत्सव समिति के पीयूष रावत ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार में आर्थिक सहयोग व दान करने से व्यक्ति के जीवन में सुख समृद्धि में वृद्धि होती है। पुण्य फल की प्राप्ति होती हैं। पूर्वज तथा देवता प्रसन्न होते हैं। खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु उत्साह से सहयोग करें ।इस अवसर पर अध्यक्ष संजय नौराई, पुरुषोत्तम स्वामी ,मुकेश अग्रवाल,डॉ संजय त्रिपाठी, गोकुल दुबे, अनिल नगरिया,पियूष रावत, दुष्यंत चतुर्वेदी, मनीष तिवारी,महेश सराफ , मैथिली मुद्गील, महेंद्र भंडारी,जयदीप खरे,सत्येंद्र पुरी पवन गुप्ता, प्रभात शर्मा और ,विनोद हयारण ,विनय आनंद आदि उपस्थित रहे !शिवा नौराई,ध्रुव नौराई ने आभार व्यक्त किया।

झगड़ा करने में युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 19 जुलाई। बीते दिन एक मोहल्ले में युवक को महिला से झगड़ा करना महंगा पड़ा वही चौकी प्रभारी ने गिरफ्तार कर जुर्म धारा 170 126 135 के तहत अभियुक्त को पुलिस हिरासत में जेल भेजा।

पुलिस के मुताबिक टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र पुलिस बल के साथ नगर में भ्रमण कर रही थी वही झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने कागजीपुरा निवासी सुरेश पुत्र सिद्धा मोहल्ले की पूजा पत्नी बृजेश से गाली गलौज कर झगड़ा कर रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

अवैध तमंचा सहित युवक को पुलिस ने दवोचा,जेल भेजा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के निर्देश पर अपराधियो के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान के तहत शनिवार को एक युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया ।क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद एवं प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के दौरान कोतवाली क्षेत्र की सागर चौकी प्रभारी सुमित कुमार पांडेय गश्त कर रहे थे, इसी दौरान उन्होंने ग्राम कैथी मोड़ स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास से अजब सिंह दोहरे उम्र 22 वर्ष निवासी मुहल्ला खण्डेराव, कस्बा एवं थाना जालौन को एक अवैध तमंचा सहित गिरफ्तार कर लिया । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर उसे आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया, उसके बाद उसे जेल भेज दिया गया।

मकान बेचने के नाम पर दो लाख रुपये की ठगी, दूसरे को बेच दी संपत्ति

ब्याना लेने के बाद रजिस्ट्री से मुकरा आरोपी, रुपये मांगने पर कहा, पैसे खा गए

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र में मकान बेचने के नाम पर दो लाख रुपये की ब्याना राशि लेकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने मकान का सौदा तय करने और एडवांस लेने के बाद वही मकान किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया। जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी और उसके साथी ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। आजाद चौक के पास, लक्ष्मीपुरा निवासी पृथ्वी बाल्मीकि पुत्र राकेश बाल्मीकि ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तालाबपुरा निवासी अभिषेक सिंह तोमर उर्फ धीरू राजा पुत्र अतवल सिंह तोमर ने बीमारी और इलाज का हवाला देकर अपनी मां किरन देवी के नाम दर्ज मकान को बेचने की बात कही। तहरीर के अनुसार दोनों के बीच करीब छह वर्ष से परिचय था। आरोपी ने आर्थिक जरूरत बताते हुए मकान बेचने की इच्छा जताई। मकान देखने के बाद 30 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। आरोप है कि 12 जनवरी 2026 को आरोपी ने ब्याने के रूप में दो लाख रुपये मांगे। उसने गवाह नीलू कुशवाहा और आकाश वाल्मीकि की मौजूदगी में 1.90 लाख रुपये नकद दिए, जबकि 10 हजार रुपये फोनपे के माध्यम से आरोपी के सहयोगी निरपेन्द्र सिंह यादव के खाते में भेजे। आरोप है कि अप्रैल में रजिस्ट्री कराने की बात करने पर आरोपी ने कहा कि मकान पर नौ लाख रुपये का बैंक ऋण है, जिसे पहले जमा करना होगा। जब पीड़ित ने बिना रजिस्ट्री अतिरिक्त रकम देने से इनकार किया तो आरोपी ने किसी दूसरे को मकान बेचकर पैसे लौटाने की बात कही और 5 अप्रैल 2026 को दो लाख रुपये का भारतीय स्टेट बैंक का चेक भी दिया। बाद में उसको जानकारी मिली कि आरोपी ने उक्त मकान दीपक साहू नामक व्यक्ति को बेच दिया है। जब उसने अपना पैसा वापस मांगा तो आरोपी ने देने से मना कर दिया। आरोप है कि रास्ते में मिले निरपेन्द्र सिंह यादव ने भी कहा कि हम लोग तुम्हारे पैसे खा गए हैं, अब पैसे नहीं मिलेंगे, जो करना हो कर लो। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मंत्री एवं जिला अध्यक्ष का नगर अध्यक्ष ने अपने साथियों साथ किया स्वागत मंत्री स्वागत पाकर हुए गदगद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 19 जुलाई। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री लखनऊ जाते समय हाईवे चौराहे में भाजपा नगर अध्यक्ष ने अपने साथियों के साथ माल्यार्पण कर अभूतपूर्व स्वागत किया।

रविवार के दिन प्रदेश सरकार कैबिनेट जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी अमले के साथ राजधानी लखनऊ जाते समय जैसे ही हाईवे दुर्गा मंदिर चौराहे में उनका काफिला आया स्वागत के लिए पहले से मौजूद भाजपा पार्टी नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी मंटू बिश्नोई संजय सविता वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वीराज सिंह चौहान सभासद अमरीश अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष संदीप शर्मा राजेंद्र साहू धीरेंद्र साहू पूर्व प्रधानाचार्य आशुतोष मिश्रा मुन्ना चौधरी आदि लोगों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया स्वागत लेने के बाद मंत्री ने मौजूद कार्यकर्ताओं के दुख दर्द को जाना इसके उपरांत उनका काफिला लखनऊ की ओर कूच कर गया मौजूद कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित डॉक्टर घनश्याम अनुरागी समेत दोनों का स्वागत किया स्वागत पाकर दोनों लोगों ने मौजूद टीम का हौसला अफजाई किया।

बुढ़वार तिराहे पर 45 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

-मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर दबोचा, पूछताछ के बाद जमानतीय धारा होने से मुचलके पर रिहा

ललितपुर। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति को 45 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक की बोरी में रखी रसभरी ब्रांड की देशी शराब बरामद करते हुए उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इलाइट चौराहा वंशीपुरा निवासी नीलेश शिवहरे पुत्र हरीराम शिवहरे के रूप में हुई है। उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ नेहरू नगर चौकी क्षेत्र स्थित सिद्धन मंदिर के आसपास गश्त एवं चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति सफेद प्लास्टिक की बोरी में अवैध देशी शराब लेकर बुढ़वार रोड की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बुढ़वार तिराहे पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद सिद्धन मंदिर की ओर से एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह वापस मुड़कर भागने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास मौजूद सफेद प्लास्टिक की बोरी से रसभरी ब्रांड के 45 क्वार्टर (टेट्रा पैक) देशी शराब बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी शराब रखने अथवा परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आरोपी ने पूछताछ के दौरान स्वयं को हृदय रोगी बताते हुए गलती स्वीकार की और शराब बेचने के उद्देश्य से ले जाने की बात कही। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह, आरक्षी करणप्रताप सिंह, आरक्षी रोहित कुमार, आरक्षी अनुराग शंकर तथा आरक्षी योगेन्द्र शामिल रहे।

कालपी कॉलेज कालपी में बीएड प्रथम द्वितीय परीक्षार्थी आज से होगी परीक्षा शुरू

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 19 जुलाई। महाविद्यालय कालपी में चार विद्यालयों छात्र-छात्राओं बीएड प्रथम द्वितीय वर्ष परीक्षा 20 जुलाई सोमवार के दिन निर्धारित समय में नकल विहीन परीक्षा संपादित कराई जाएगी।

कालपी कॉलेज कालपी प्राचार्य डॉक्टर मधु प्रभा त्रिपाठी ने अवगत कराया कि हमारे विद्यालय परीक्षा केंद्र में विद्यालयों में जैसे लक्ष्मी देवी महाविद्यालय मदारीपुर पंडित गंगाधर श्रवण कुमार महाविद्यालय परशुराम द्विवेदी महाविद्यालय जगम्मनपुर स्वर्गीय गफूर खान महाविद्यालय बबीना कदौरा समेत चारों विद्यालय बीएड के छात्र छात्राएं परीक्षा केंद्र में सम्मिलित होकर निर्धारित तिथि में परीक्षा संपादित करेंगे उक्त विद्यालय में परीक्षा सकुशल तरीके से संपादित करने के लिए डॉक्टर सोम सिंह चौहान डॉ राधा रानी श्रीवास्तव डॉक्टर कुमार डॉक्टर शैलेंद्र शेखर डॉ पंकज द्विवेदी डॉक्टर रवि मिश्रा डॉ अरुण बाजपेई डॉ भारती कार्यालय अधीक्षक डॉक्टर विवेक कुमार निगम आदि लोगों को परीक्षा संपादित करने की लिए जिम्मेदारी सौंप गई है उन्होंने बताया पूरे परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी फुटेज कैमरे स्थापित किए गए परीक्षा के समय प्रत्येक छात्र-छात्राओं की निगरानी भ्रमण कर तथा कार्यालय में बैठकर परीक्षा संपादित होने पर प्रत्येक प्रत्येक क्षण की निगरानी बराबर कर सकते हैं उन्होंने दावा किया है कोई भी छात्र-छात्राएं परीक्षा केंद्र में आने पर किसी भी पर्ची न लेकर आए वहीं चैकिंग दौरान जिस छात्र-छात्राओं के पास कोई भी पर्ची मिलेगी उन छात्राओं की खैर नहीं होगी मेरे रहते हुए नकल विहीन परीक्षा संपादित करने में मैं सदैव अग्रसर रहूंगी।

ओवर ब्रिज में फिर कंक्रीट गिरने से हुए दो जगह छेद

बार-बार कंक्रीट गिरने पर एन एच आई की कार्य प्रणाली में गंभीर सवाल उठने लगे

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 19 जुलाई। मुन्ना फुल पावर स्थित ओवर ब्रिज करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल उठने लगे।

रविवार को सुबह ओवर ब्रिज की निचले हिस्से में कंक्रीट की परत अचानक भड़भड़ा कर गिर गई गिरने पर यह गली मत रही उस समय कोई मुसाफिर को निकालना नहीं पाया गया तथा मौजूद नहीं थे नहीं तो बड़ा हादसा होने से कोई नहीं रोक सकता था कंक्रीट गिरने से दो छेद हो गए जिससे निकलने वाले मुसाफिरों के बीच भय व्याप्त हो गया इतना भी नहीं हड़कंप मच गया बताया जाता है कि वर्ष 2020 में लगभग 45 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 800 मीटर लंबे ओवर ब्रिज तथा 1800 मीटर लंबे सर्विस रोड का निर्माण पर सवाल उठ रहे हैं इसी जगह 17 जून को ओवर ब्रिज के नीचे कंक्रीट गिरकर मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मचा था कंपनी के लोगों ने हाईवे में बैरी गेटिंग लगा दी है फिर भी ओवरलोडिंग वाहन बराबर चलते हुए नजर आए कंपनी के लोग पहली बार ओवर ब्रिज में घटना को संज्ञान में ले लेते यह दोबारा घटना नहीं आती केवल उन्होंने पहली बार खाना पूर्ति कर कार्य को अंजाम दिया था फिर क्यों या तो निर्माण में मटेरियल काम लगा है तो बार-बार कंक्रीट गिरकर हादसे का दावत दे रही है।

विद्युत करंट चपेट पर गाय की मृत्यु

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 19 जुलाई। ग्राम गुलौली निवासी कृषक नफीस पुत्र नसीर ने अवगत कराया कि रविवार को सुबह घर से खेतों में चरने जा रही थी वही गांव के समीप स्थित खंबे में तार नीचे था उसी में करंट आने पर हजारों कीमत की उक्त गाय चपेट में आकर घटनास्थल में ही मृत्यु हो गई मृत्यु की सूचना पुलिस को भी सूचना पाकर उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह भदोरिया पुलिस बल के साथ घटना स्थल में गए जांच की वही पशु चिकित्सा अधिकारी को बुलवाकर पोस्टमार्टम कराया गया इसके उपरांत कृषक तथा ग्राम वासियों की मौजूदगी में गड्ढा खोदकर पुष्प अर्पित कर अंतिम प्रक्रिया पूरी की गई।

'फॉर्मूले बनाने वाले दल समाज का दर्द क्या जानें? कुर्सी के लिए चोला बदलने का खेल अब बंद होगा'

-घटते फार्मूले में हमारे सांसद विधायक कैबिनेट लोकसभा राज्यसभा विधान सभा विधान परिषद निगम उपक्रम संगठन तक में हाशिए पर क्षत्रिय आखिर क्यों

राघवेंद्र सिंह राजू, वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ । अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू ने लखनऊ कार्यालय में कहा कि सनातन की चार वर्ण व्यवस्था – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र ही हमारे समाज की नींव है। कर्म के आधार पर सैकड़ों जातियां इन्हीं से बनीं।

उन्होंने कहा 100 साल पहले 'पिछड़ा' शब्द था ही नहीं। यदि कोई ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र नहीं था तो वो क्षत्रिय था। क्षत्रियों ने ही इस राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व बलिदान दिया। आज राजपूत और क्षत्रिय एक ही हैं।

लेकिन आज जनहित मुद्दों से हटकर कुर्सी सत्ता के भूखे नेताओं ने स्वर्णकार, जाट, गुर्जर, अहीर, कुर्मी, लोधा, मौर्य, शाक्य, बघेल, रावत जैसी वीर जातियों को 'पिछड़ा' कहकर बांट दिया संविधान और लोकतंत्र की आड़ में सवर्ण हिंदू समाज को कमजोर किया गया।

'अब समय आ गया है जागने का। समय आ गया है एक होने का।'

आपको भी हक अधिकार मांगना चाहिए

7 अगस्त 2026, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, रफी मार्ग, नई दिल्ली

राष्ट्रीय कार्यकारणी मंथन बैठक में तष्ट कानून वापस लेने का संकल्प लेकर प्रस्ताव पारित कर लोकसभा सत्र में मा प्रधानमंत्री जी को भेजा जाएगा

भेदभाव हटाए समानता लाए

राघवेंद्र सिंह राजू ने सभी राष्ट्र प्रेमी सवर्ण, पिछड़ा, दलित भाइयों से अपील की – पिछड़ों-दलितों के नाम पर राजनीति करने वालों से सावधान रहें। अब केवल 'हिंदू एकता' और 'क्षत्रिय सवर्ण एकता' का नारा चलेगा।

20 जुलाई को उरई में निकलेगी भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

माधव प्रिय किंकर प्रभु के नेतृत्व में भगवान की भव्य रथ झांकी बनेगी आकर्षण का केंद्र

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा की असीम कृपा से इस्कॉन केंद्र उरई द्वारा 20 जुलाई 2026 (सोमवार) को भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह दिव्य एवं ऐतिहासिक रथ यात्रा सायं 3:00 बजे इस्कॉन केंद्र उरई से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः इस्कॉन केंद्र पहुँचेगी। रथ यात्रा की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं तथा सम्पूर्ण नगर में श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण व्याप्त है। गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रथ यात्रा का आयोजन श्रीमान माधव प्रिय किंकर प्रभु के नेतृत्व में किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में भक्तगण एवं स्वयंसेवक पूरे समर्पण भाव से रथ सज्जा, स्वागत, संकीर्तन, प्रसाद वितरण, जनसंपर्क एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति का उद्देश्य प्रत्येक श्रद्धालु को भगवान श्री जगन्नाथ के दिव्य दर्शन एवं हरिनाम संकीर्तन का आध्यात्मिक लाभ प्रदान करना है। भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा सनातन संस्कृति का एक विश्वविख्यात महापर्व है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सेवा, समरसता एवं विश्व बंधुत्व का संदेश देने वाला आध्यात्मिक उत्सव है। पुरी धाम की गौरवशाली परंपरा से प्रेरित यह रथ यात्रा प्रतिवर्ष विश्व के अनेक देशों के साथ-साथ उरई में भी अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ आयोजित की जाती है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर

उन्हें दर्शन देते हैं तथा रथ की रस्सी खींचने वाले श्रद्धालुओं पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं। रथ यात्रा इस्कॉन केंद्र से प्रारम्भ होकर कोंच बस स्टैंड, जिला परिषद, सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा, अंबेडकर चौराहा एवं घंटाघर होते हुए पुनः इस्कॉन केंद्र पहुँचेगी। यात्रा के दौरान भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा का भव्य एवं सुसज्जित रथ तथा मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। हरिनाम संकीर्तन, मृदंग, करताल एवं भक्ति संगीत की मधुर ध्वनि से सम्पूर्ण नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो जाएगा। रथ यात्रा का एक विशेष आकर्षण देश-विदेश से पधारे इस्कॉन के भक्तों की सहभागिता भी होगी। विदेशी भक्त हरिनाम संकीर्तन, भक्ति नृत्य एवं भगवान श्री जगन्नाथ की महिमा का गुणगान करते हुए यात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा की भव्य रथ झांकी तथा विदेशी भक्तों का उत्साहपूर्ण संकीर्तन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा और पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण से अनुग्रहित करेगा। रथ यात्रा के लिए श्री जगन्नाथ महाप्रभु का उरई में आगमन हो चुका है ,इन्फोपार्क कोचिंग के निर्देशक श्री अभय द्विवेदी जी ने भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा का पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं आरती के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रथ यात्रा में सम्मिलित होकर भगवान श्री जगन्नाथ के दिव्य दर्शन, हरिनाम संकीर्तन एवं महाप्रसाद का लाभ प्राप्त करने की अपील की है। रथ यात्रा की व्यवस्थाओं में अनेक सेवाभावी भक्त अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से ऋषभ प्रभु, अवधकिशोर प्रभु, राजकुमार प्रभु सहित अनेक स्वयंसेवक विभिन्न व्यवस्थाओं का दायित्व निभा रहे हैं। सभी सेवक यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि प्रत्येक श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा आयोजन पूर्णतः अनुशासित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हो। रथ यात्रा के दौरान सम्पूर्ण नगर में भक्तगण सामूहिक रूप से—हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे।महामंत्र का संकीर्तन करेंगे। संकीर्तन, मृदंग, करताल, नृत्य एवं भक्ति संगीत के साथ सम्पूर्ण नगर भगवान के पावन नाम से गुंजायमान रहेगा। भक्तों द्वारा पुष्पवर्षा, जयघोष एवं भक्ति उल्लास के साथ भगवान का स्वागत किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्रा मार्ग में पेयजल, महाप्रसाद वितरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँगी। प्रशासन एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से सुरक्षा एवं यातायात की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे अनुशासन बनाए रखते हुए इस दिव्य आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

इस्कॉन केंद्र उरई ने नगर के समस्त सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों सहित सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ इस भव्य रथ यात्रा में सम्मिलित होकर भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा के दिव्य दर्शन करें, रथ की रस्सी खींचने का सौभाग्य प्राप्त करें, हरिनाम संकीर्तन में सहभागी बनें तथा महाप्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को आध्यात्मिक आनंद से आलोकित करें। आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया है कि भगवान श्री जगन्नाथ की असीम कृपा व श्रीमान माधव प्रिय किंकर प्रभु के नेतृत्व, समस्त भक्तों एवं नगरवासियों के सहयोग से इस वर्ष की श्री जगन्नाथ रथ यात्रा उरई के इतिहास में एक भव्य, दिव्य एवं अविस्मरणीय आध्यात्मिक महोत्सव के रूप में स्थापित होगी।

एक घंटे की बारिश गांव की बदल दी तस्वीर

-गांव को जोड़ने वाले रास्ते दलदल में तब्दील

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कदौरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत परासन के मजरा कुइयाझोर में को करीब एक घंटे की बारिश ने एक बार फिर गांव की बदहाल तस्वीर सामने ला दी। बारिश के बाद गांव को जोड़ने वाले कच्चे रास्ते कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गए, जिससे ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हो गए। गांव के करीब 15 से 20 स्कूली बच्चे रोज की तरह पैदल परासन पहुंचे, जहां से उन्हें बस द्वारा कालपी-राठ मार्ग स्थित स्कूल ले जाया गया। स्कूल की छुट्टी के बाद बारिश शुरू हो गई। बस बच्चों को केवल परासन तक ही छोड़ सकी, क्योंकि गांव तक जाने वाला दो किलोमीटर लंबा कच्चा रास्ता पूरी तरह कीचड़ और पानी से भर चुका था। बच्चों को मजबूरी में पैदल गांव की ओर निकलना पड़ा। रास्ते में पड़ने वाले बड़े नाले में बारिश का पानी कमर तक बह रहा था। जान जोखिम में डालकर बच्चे उसी पानी से गुजरते हुए भीगकर अपने घर पहुंचे और परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई। करीब 400 की आबादी वाले कुइयाझोर गांव तक आज भी पक्की सड़क नहीं पहुंच सकी है। बारिश होते ही गांव का संपर्क आसपास के क्षेत्रों से लगभग कट जाता है और ग्रामीण कई दिनों तक घरों में कैद रहने को मजबूर हो जाते हैं। मरीजों, गर्भवती महिलाओं और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या वर्षों से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। बारिश के दिनों में एंबुलेंस और अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते। 12 सितंबर 2024 को भी सड़क पर कीचड़ और जलभराव के कारण गांव के बुजुर्ग अच्छेलाल को समय पर इलाज नहीं मिल सका था। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंची तो ग्रामीण उन्हें चारपाई पर लादकर अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी।इस घटना के बाद प्रशासन, तहसील और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने गांव का निरीक्षण किया था। गांव तक पक्की सड़क निर्माण के लिए करीब चार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया, लेकिन तकनीकी खामियों का हवाला देकर प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया।

जहरीले कीड़े के काटने से बुजुर्ग की बिगड़ी हालत

बदहाल सड़क और टूटी पुलिया बनी इलाज में बाधा

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कदौरा। विकासखंड कदौरा की ग्राम पंचायत परासन के मजरा कुड़याझोर में शनिवार देर शाम जहरीले कीड़े के काटने से 58 वर्षीय बुजुर्ग की हालत गंभीर हो गई। समय पर वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका, जिससे परिजनों और ग्रामीणों को बुजुर्ग को चारपाई पर लादकर कीचड़ भरे रास्ते से मुख्य मार्ग तक ले जाना पड़ा। घटना ने एक बार फिर गांव की जर्जर सड़क और क्षतिग्रस्त पुलिया की समस्या को उजागर कर दिया।

जानकारी के अनुसार कुड़याझोर निवासी शर्मन (58 वर्ष) शनिवार शाम अपने घर की छत की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान उनके हाथ में जहरीले कीड़े ने काट लिया। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य समझा, लेकिन कुछ ही देर में उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी और वह अचेत होकर गिर पड़े। इससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई। बुजुर्ग के नाती चमन ने बताया कि परिजनों ने तत्काल ट्रैक्टर से अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन गांव से बाहर निकलने वाले कच्चे रास्ते पर बारिश के कारण भारी कीचड़ जमा था। वहीं क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण ट्रैक्टर आगे नहीं बढ़ सका। ऐसे में ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए शर्मन को चारपाई पर लिटाकर पैदल मुख्य मार्ग तक पहुंचाया। मुख्य मार्ग पर स्थित परासन के 65 मेगावाट बुंदेलखंड प्लांट पहुंचने पर ग्रामीणों ने प्लांट प्रबंधन से सहायता मांगी। सूचना मिलते ही प्रबंधन ने तत्काल गेट खुलवाकर चारपहिया वाहन की व्यवस्था कराई, जिससे बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया गया। समय पर उपचार मिलने से उनकी जान बच गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि कुड़याझोर गांव आज भी पक्की सड़क और मजबूत पुलिया जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। बरसात के दिनों में कच्चे रास्ते दलदल में बदल जाते हैं, जिससे आम लोगों के साथ-साथ आपातकालीन सेवाएं और एंबुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच पातीं। ग्रामीणों ने गांव तक पक्की सड़क और पुलिया निर्माण की मांग दोहराई है।

खेत से लौट रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। आटा थाना क्षेत्र के भभुआ गांव के पास रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 23 वर्षीय युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, भभुआ गांव निवासी विकाश (23) अपने खेत में फसल की सिंचाई करने गया था। सिंचाई के बाद वह घर लौट रहा था। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय वह तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने पर घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर आटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

महेंद्र नाथ भारती को भावभीनी विदाई, सम्मान समारोह में उमड़ा जनसमूह

- सिद्धि विनायक नर्सिंग एवं आईटीआई कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में पुष्पगुच्छ व स्मृति-चिह्न भेंट कर दी गई भावभीनी विदाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बहुजन महानायक जन्मोत्सव आयोजन संयुक्त समिति के तत्वावधान में रविवार को सिद्धि विनायक नर्सिंग एवं आईटीआई कॉलेज, जालौन चौराहा, उरई में अधिशासी अभियंता, विद्युत प्रखंड द्वितीय महेंद्र नाथ भारती के जनपद एटा स्थानांतरण के अवसर पर उनके सम्मान में भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों ने श्री महेंद्र नाथ भारती का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की सराहना करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गंगाराम मास्टर ने की। आयोजन समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह दोहरे, उपाध्यक्ष रमाकांत दोहरे, महामंत्री पुनीत भारती तथा दीपक कुमार (जेई) के संयोजन में समारोह का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुधाकर राव गौतम ने किया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता विद्युत प्रखंड प्रथम जितेंद्रनाथ भारती, राम सनेही जाटव, सुंदरलाल, रामऔतार गौतम, गुलाब बाबू, अलीम सर, डॉ. मयंक सिंह, धीरेन्द्र चौधरी, संजय कुमार गौतम, प्रवेन्द्र पाल सिंह, भगवती शरण पांचाल, दीपक गौतम, श्याम प्रकाश दोहरे, डॉ. महेश सिंह, मंजू नेता, एस.पी. सिंह, गजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह (प्रधान, जुझारपुरा), शिवराज तूमरा, रामऔतार गौतम (राजा बीजापुर), सुशील चौधरी, राहुल कुमार, अमर सिंह, संजय गौतम, शालिनी बौद्ध सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं सम्मानित अतिथि मौजूद रहे।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने श्री महेंद्र नाथ भारती के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कार्यशैली, ईमानदारी एवं सरल व्यवहार से सभी का विश्वास और सम्मान अर्जित किया है। उपस्थित लोगों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए जनपद एटा में उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, लोगों और किसानों को मिली बड़ी राहत

(यंग भारत न्यूज)

उरई। रविवार दोपहर अचानक बदले मौसम ने लंबे समय से उमस और भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत दी। करीब दो बजे शुरू हुई मूसलाधार बारिश लगभग आधे घंटे तक लगातार होती रही। तेज बारिश के चलते शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर पानी भर गया, वहीं वातावरण में ठंडक घुलने से लोगों ने राहत की सांस ली।

बारिश के बाद जिले के तापमान में लगभग छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। पिछले दो दिनों से उमस भरी गर्मी और बिजली कटौती के कारण जनजीवन प्रभावित था। बारिश शुरू होते ही मौसम सुहाना हो गया और लोग घरों से बाहर निकलकर राहत का आनंद लेते नजर आए। इस बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी लौट आई है। धान, तिल सहित खरीफ की फसलों के लिए यह वर्षा लाभदायक मानी जा रही है। पर्याप्त नमी मिलने से फसलों की बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है, साथ ही सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम होगा। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी समय-समय पर इसी तरह बारिश होती रही, तो खरीफ फसलों का उत्पादन बेहतर होगा। मौसम में आए इस बदलाव ने आमजन के साथ-साथ किसानों को भी बड़ी राहत पहुंचाई है।

22 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ।कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई करते हुए गोकुलपुरा पुलिया के पास से एक व्यक्ति को 22 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया।

उपनिरीक्षक जयकिशोर ने बताया कि शनिवार को मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर ग्राम कुसमरा निवासी अरविन्द उर्फ मटका पुत्र रामसनेही को सफेद प्लास्टिक के झोले के साथ पकड़ा गया। तलाशी में झोले से 22 क्वार्टर ट्विन टावर देशी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब बेचकर घर का खर्च चलाता है। पुलिस ने धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

कालपी में पुलिस सिर छुपाये बैठी है, रात में गश्त कर रहे हैं चोर

नगर व क्षेत्र में चोर बदमाशों का आतंक, चोरी पर चोरी का लगा है तांता

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी नगर में चोरों ने एक बार फिर एक सुने घर को अपना निशाना बनाकर पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, चोरों ने गृहस्वामी विपिन कुमार निवासी इंद्रानगर कालपी के घर में घुसकर लाखों रुपये के जेवरात और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। गृहस्वामी विपिन कुमार के अनुसार, चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब छह लाख रुपये बताई जा रही है। चोरी की इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कालपी में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन चोरों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर चोरों पर लगाम कब लगेगी ? पुलिस इस घटना का खुलासा कब करेगी ? और क्या चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा ? फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अब देखना होगा कि पुलिस कब तक चोरों तक पहुंचती है और चोरी गए माल की बरामदगी हो पाती है या नहीं।

संदिग्ध परिस्थितियों में से लौट रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आटा थाना क्षेत्र के भबुआ गांव निवासी विकाश 23 वर्ष की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों के अनुसार विकाश खेत में पानी लगाने गए थे। खेत से वापस घर लौटते समय रेलवे ट्रैक पार करते वक्त वह ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की असमय मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

नीट परीक्षा में असफल होने से आहत छात्रा ने खाया जहर,तोड़ा दम, पुलिस जांच में जुटी

(यंग भारत न्यूज)

उरई। नीट परीक्षा में अपेक्षित सफलता न मिलने से मानसिक तनाव में चल रही 18 वर्षीय छात्रा ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, हमीरपुर जनपद के राठ कस्बे की रहने वाली श्रुति साहू (18) डॉक्टर बनने का सपना देख रही थी और कानपुर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में अपेक्षित अंक न मिलने के कारण उसका मेडिकल कॉलेज में चयन नहीं हो सका। इसके बाद वह लगातार मानसिक तनाव में रहने लगी थी। परिजनों ने बताया कि परिवार लगातार उसका हौसला बढ़ा रहा था और उसे भविष्य में दोबारा प्रयास करने के लिए प्रेरित कर रहा था, लेकिन वह इस असफलता से उबर नहीं सकी। पिता महेंद्र साहू ने बताया कि श्रुति डॉक्टर बनना चाहती थी और परिणाम आने के बाद काफी निराश रहने लगी थी। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में परीक्षा परिणाम के बाद उत्पन्न मानसिक तनाव का पहलू सामने आया है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

प्रत्येक व्यक्ति वृक्ष रोपित कर राष्ट्रीय मिशन को सफल बनाएं- विनोद चतुर्वेदी

प्रत्येक व्यक्ति मां के नाम एक वृक्ष रोपित करें-अरविंद यादव

-धरती माता को हरा-भरा एवं हरित क्रांति करने पर प्रत्येक व्यक्ति वृक्ष रोपित करें- जय खत्री

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 19 जुलाई। वृक्षारोपण समारोह मे विधायक विनोद चतुर्वेदी पंडित मनोज अवस्थी समेत दोनों ने वृक्षारोपित कर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति वृक्ष लगाये जिससे शरीर मे होने वाली बीमारी स्वत: खत्म हो जाए तथा अपने जीवन को सदैव हरी–भरी जगह में रहकर प्रतिदिन ऑक्सीजन प्राप्त करें नगर की जानी–मानी संस्था घुमंतू हसंतू के तत्वाधान में पालिका अध्यक्ष एवं संस्था के लोगों ने वृक्ष रोपित कर मां के नाम एक वृक्ष लगाने के लिए पुर जोर आवाहन किया।

रविवार के दिन राजघाट स्थित यमुना मईया समीप बिहारी मंदिर प्रांगण में आयोजित वृक्षारोपण समारोह मे नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव ने वृक्ष रोपित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन के लिए प्रत्येक वृक्ष संजीवनी बूटी की तरह लाभदायक होता है इस अभियान में प्रत्येक व्यक्ति वृक्ष को रोपित कर अपने पुत्र के समान देखभाल कर बड़ा बनाने में सदैव अग्रसर रहें संस्था पूर्व अध्यक्ष जय खत्री एवं वर्तमान अध्यक्ष राजेश पुरवार समेत दोनों ने वृक्ष रोपित करते हुए कहा कि जिस जगह वृक्ष होता है उस जगह सदैव ऑक्सीजन रहने वाले लोगों को बराबर मिलती है साथ में वह जगह प्रदूषण मुक्त होती है इसलिए प्रत्येक वृक्ष मनुष्य के जीवन के लिए संजीवनी बूटी की तरह लाभदायक होता है इतना भी नहीं नगर को तथा अपने मोहल्ले घर पड़ोस आदि जगहों पर वृक्ष रोपित कर चारों तरफ हरित क्रांति उत्पन्न करें साथ में रोपित हुए वृक्षों को अपने पुत्र पुत्री के समान देखभाल कर बड़ा करने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन अवश्य करें इस अभियान में प्रत्येक व्यक्ति एक वृक्ष लगाकर नगर को चारों तरफ हरा भराकर दूसरों को वृक्ष लगाने के लिए संदेश दें वृक्षारोपित करने वाले चेयरमैन प्रतिनिधि रवीद्र यादव शरद तिवारी राजेंद्र पोरवाल आशीष यादव गंगाराम प्रजापति आशु बाबा ठेकेदार बिश्नोई अभिषेक तिवारी लिपिक शिशुपाल सिंह पप्पी यादव लिपिक सरफराज खान उर्फ बाबा आदि लोगो ने बिहारी भगवान दरबार में माथा टेककर स्वयं तथा परिवार खुशहाली हेतु आशीर्वाद मांगा।

जीआरपी में बड़ा फेरबदल, हेमंत कुमार सोलंकी बने उरई थानाध्यक्ष

(यंग भारत न्यूज)

उरई। झांसी मंडल जीआरपी में पुलिस अधीक्षक विपुल कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई थाना प्रभारियों और चौकी इंचार्जों के तबादले किए हैं। इसी क्रम में उरई जीआरपी थानाध्यक्ष नागेंद्र सरोज के स्थान पर भीमसेन में तैनात थानाध्यक्ष हेमंत कुमार सोलंकी को उरई जीआरपी थाने की कमान सौंपी गई है।

तबादला सूची के अनुसार भीमसेन थाने का नया प्रभारी दिलीप सिंह को बनाया गया है। वहीं कालपी जीआरपी चौकी प्रभारी संजना सिंह का स्थानांतरण महोबा थानाध्यक्ष के पद पर किया गया है। उनकी जगह दुष्यंत सिंह को कालपी जीआरपी चौकी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उरई जीआरपी में तैनात उपनिरीक्षक ईश्वर दीन साहू का तबादला ललितपुर कर दिया गया है। नवनियुक्त उरई जीआरपी थानाध्यक्ष हेमंत कुमार सोलंकी ने कहा कि रेलवे यात्रियों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित गश्त और सतर्क निगरानी रखी जाएगी, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और निर्भय यात्रा का माहौल मिल सके।

जालौन में बिजली का तार चोरी करते दो आरोपी गिरफ्तार, तमंचा और चोरी के औजार बरामद

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। कोतवाली जालौन पुलिस ने रात्रि गश्त और चेकिंग के दौरान बिजली का एल्यूमिनियम तार चोरी करते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया 45.300 कि लो ग्रा म एल्यूमिनियम बिजली का तार, एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस, तार कटर, प्लास, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त ओमनी कार बरामद की है। कार को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी के नेतृत्व में 18/19 जुलाई की रात उरगांव रोड स्थित गुढ़ा वाली पुलिया के पास कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भानू प्रताप (26) निवासी नया पटेल नगर, कोंच तथा दीपराज (21) निवासी जुगराजपुरा, थाना रेंढ़र के रूप में हुई है। जबकि तीन आरोपी शिवम जाटव, पुष्पेंद्र उर्फ गुड्डू और अक्षय कुशवाहा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। इस संबंध में कोतवाली जालौन में बीएनएस की धारा 317(2), सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

केके वर्मा को जालौन बिजली विभाग का अवर अभियंता बनाया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन–उरई । जनपद मुख्यालय उरई में कालपी मार्ग स्थित 132/33/11 केवी बिजली घर पर नियुक्त अवर अभियन्ता गौरव कुमार के स्थानांतरण से खाली हुए पद पर जालौन में पदस्थ अवर अभियंता नवीन कुमार का स्थानांतरण कर दिया गया है और केके वर्मा को जालौन का अवर अभियंता बनाया गया।

दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युत वितरण मण्डल उरई द्वारा प्रशासनिक आवश्यकता के चलते एक अवर अभियंता का स्थानांतरण किया गया है।अधीक्षण अभियन्ता योगेन्द्र राठौर ने नवीन कुमार कन्जोलिया अवर अभियंता 33/11 केवी उपकेन्द्र जालौन एवं अतिरिक्त कार्यभार 33/11 केवी उपकेन्द्र उदोतपुरा से हटाकर विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम, उरई के अन्तर्गत 132/33/11 केवी उपकेन्द्र कालपी रोड, उरई में तैनात किया गया है। नवीन कुमार के स्थान पर उरई में कार्यरत अवर अभियन्ता केके वर्मा को जालौन का अवर अभियंता बनाया गया है।

पुलिस ने 467 लीटर अवैध शराब को नष्ट कराया

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न मामलों में बरामद कुल 467 लीटर कच्ची एवं पक्की शराब का न्यायालय से अनुमति प्राप्त होने के बाद विनिष्टीकरण कराया।

पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन तथा अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन एवं पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार जनपद में आबकारी अधिनियम से संबंधित 37 मुकदमों में बरामद अवैध शराब को न्यायालय की अनुमति मिलने के उपरांत रविवार को कोतवाली कोंच क्षेत्र में गठित टीम की मौजूदगी में नष्ट किया गया। पुलिस विभाग ने बताया कि लंबित मालों के समयबद्ध निस्तारण की प्रक्रिया के तहत यह कार्रवाई की गई, जिससे मालखानों में रखे अवैध मादक पदार्थों का विधिक प्रक्रिया के अनुरूप सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित हो सके

प्रेम प्रसंग में युवक की मौत, पिता ने विद्यालय प्रबंधन के चार लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

जालौन – उरई। जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सींगपुरा निवासी एक युवक की जहरीला पदार्थ खाने के बाद उपचार के दौरान कानपुर में मौत हो गई। मृतक के पिता ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर विद्यालय प्रबंधन से जुड़े चार लोगों पर बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। साथ ही निष्पक्ष जांच कर कठोर कानूनी कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। शिकायत के अनुसार ग्राम सींगपुरा निवासी इंद्रपाल सिंह का इकलौता पुत्र निर्भय सिंह राजपुर स्थित कैप्टन मास्टर सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत था। पिता का आरोप है कि विद्यालय में कार्यरत प्रबंधक की नातिन के साथ उनके पुत्र का पिछले लगभग तीन वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी जानकारी 15 जुलाई को विद्यालय प्रबंधन एवं युवती के परिजनों को हुई, जिसके बाद विद्यालय प्रबंधक, उनके पुत्र तथा प्रधानाचार्य ने निर्भय सिंह को बुलाकर धमकाया और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। शिकायत में जान से मारने तथा परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पिता के अनुसार मानसिक दबाव के चलते 17 जुलाई को निर्भय सिंह ने जालौन–कोंच रोड स्थित डी.डी. मेमोरियल स्कूल के पास कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन, फिर मेडिकल कॉलेज उरई और बाद में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम के बाद देर रात शव गांव पहुंचा, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। इंद्रपाल सिंह ने यह भी दावा किया है कि उपचार के दौरान उनके पुत्र ने उन्हें पूरी घटना बताते हुए कहा था कि लगातार मिल रही धमकियों और परिवार को नुकसान पहुंचने की आशंका के कारण उसने यह कदम उठाया। मृतक के पिता ने शिकायत में नामजद सभी आरोपियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी प्रभावशाली हैं, इसलिए उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत की जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट के आदेश पर माल खाने में रखी अवैध शराब को सीओ एवं कोतवाल की देखरेख में किया गया नष्ट

(यंग भारत न्यूज)

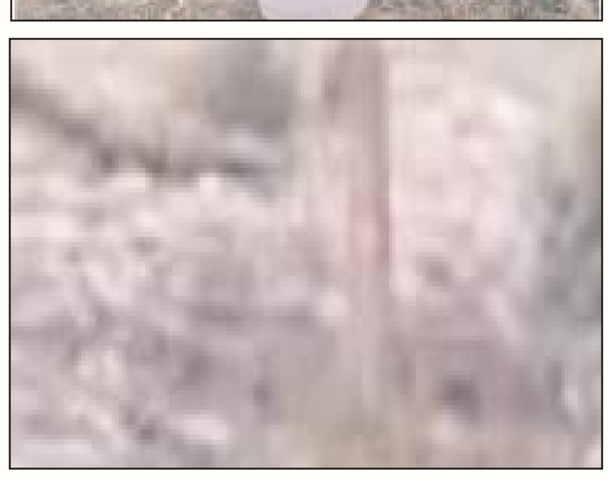

कोंच अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में बरामद अवैध कच्ची शराब का विधिवत नष्ट कराया। यह कार्रवाई कोंच कोतवाली क्षेत्र के पहाड़गांव कैलिया बाईपास रोड पर क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद एवं प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह की मौजूदगी में संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज 37 मुकदमों में पुलिस द्वारा कुल 467 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई थी। न्यायालय के आदेश और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए पुलिस टीम ने उक्त शराब को नष्ट कर दिया। पूरी कार्रवाई अधिकारियों की निगरानी में पारदर्शिता पूर्ण तरीके से संपन्न कराई गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बरामद की गई अवैध कच्ची शराब का सुरक्षित एवं नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान पुलिस टीम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

गाली-गलौज कर मारपीट करने बाले को पुलिस ने दवोचा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच बाप–बेटे के साथ गाली–गलौच मारपीट कर घायल कर देने और जान से मारने की धमकी देने की घटना के आरोपी फैज़ान पुत्र गफ्फार निवासी मुहल्ला मालवीय नगर कोंच को उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह ने महंतनगर के चंदुर्रा सड़क मार्ग से गिरफ्तार कर लिया।गौरतलब हो कि मुहल्ला मालवीय नगर निवासी हरदास कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि बीती 16 जुलाई को फैजान ने अपने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उसे और उसके बेटे रोहित के साथ गाली गलौच कर मारपीट की जिससे बेटे सहित वह घायल हो गया, साथ ही फैजान ने उसे जान से मारने की भी धमकी दी। वहीं उक्त घटना को लेकर पुलिस ने घायल दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए आरोपी फैज़ान सहित उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ धारा 115(2), 351(2), 352, 191(2), 308(5) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर लिया था।

मंदिर मे झाड़ू लगाने पर हुए विवाद में मारपीट
पुलिस ने किया मामला दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच मंदिर में सही से झाड़ू लगाने की बात पर हुए विवाद में ग्रामीण के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चमेंड निवासी महेंद्र कुशवाहा पुत्र ठाकुर प्रसाद ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि शनिवार की शाम वह गांव में ही कारसदेव के स्थान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान आकाश पुत्र शिवाकांत झाड़ू लगाते समय धूल उड़ाने लगा जिस पर उसने ठीक से झाड़ू लगाने के लिए कहा तो आकाश के पिता शिवाकांत और भाई आलोक सहित आकाश ने मिलकर गाली गलौच करते हुए उसे लाठी डंडों और लात घूसों से मारापीटा जिससे वह घायल हो गया। उक्त लोगों ने उसे धमकी दी की पुलिस से यदि शिकायत की तो जान से मार देंगे। घटना को लेकर पुलिस ने उपरोक्त तीनों के खिलाफ धारा 115(2), 351(2), 352 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युवक ने दोस्त संग मिलकर नर्स को दिया जहर का इंजेक्शन, आत्महत्या दिखाने के लिए रची खौफनाक साजिश

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ। यूपी के मेरठ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने जहर का इंजेक्शन लगाकर प्रेमिका नर्स की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मौके पर सुसाइड नोट भी मिला था। हालांकि परिजनों ने लिखावट पर सवाल उठाए। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी समेत दो को गिरफ्तार कर लिया। ये घटना लोहिया नगर स्थित एक अस्पताल का है। जहां 25 साल की नेहा नर्स थी। शनिवार सुबह वह अपनी ननद के साथ घर से ड्यूटी के लिए निकली थी। दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल के ओटी में वह पड़ी मिली। शोर मचाने पर अस्पताल स्टाफ मौके पर पहुंचा। डॉक्टरों ने उसकी जांच की, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से सल्फास की गोलियां और सुसाइड नोट भी मिला है। नोट में ससुराल पक्ष के कुछ लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इसी बीच मृतका के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और उन्होंने सुसाइड नोट की लिखावट पर सवाल उठाया। परिजन अपने साथ उसकी लिखी पुरानी कॉपियां भी लेकर पहुंचे और लेखनी का मिलान कर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने घटना का खुलासा करने के लिए 2 टीम लगाई थी। इस दौरान मृतका के फोन की जांच की गई पता चला कि अस्पताल के ही कर्मचारी सुरेश से नेहा की लगातार बातचीत होती थी। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग का भी खुलासा हुआ। पता चला कि नेहा लगातार सुरेश पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। इसी बात को लेकर सुरेश ने नेहा की हत्या की प्लानिंग की। सुबह जब नेहा ओटी में पहुंची तो वहां सुरेश और दूसरे कर्मचारी फरहान पहले से मौजूद था। सुरेश ने उसके साथ मिलकर नेहा को दबोच लिया। फरहान ने नेहा के हाथ पकड़े, जबकि सुरेश ने नेहा का मुंह बंद कर उसे जहर का इंजेक्शन लगा दिया। नेहा के पति रवि कुमार ने करीब एक साल पहले आत्महत्या कर ली थी। पति की मौत के बाद परिवार और बच्चे की जिम्मेदारी नेहा पर आ गई थी। इसी कारण उसने निजी अस्पताल में नौकरी शुरू की थी और वहीं कार्यरत थी। सुरेश ने सुसाइड नोट लिखकर नेहा की जेब में डाल दिया। सल्फास की गोली भी डाल दी, ताकि घटना आत्महत्या की लगे। पुलिस ने सुरेश फरहान को गिरफ्तार किया है। दोनों ने जुर्म का इकबाल भी कर लिया है। जहर का इंजेक्शन बरामद किया है। इस मामले में एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि अस्पताल के अंदर नर्स की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अस्पताल में ही काम करने वाले नर्स के प्रेमी ने साथी के साथ मिलकर हत्या की थी। दोनों को गिरफ्तार किया है।

लड़की के प्यार में लट्टू हुआ होटल का सेठ, पड़ गए लेने के देने, 97 लाख रुपए देकर हुआ कंगाल!

(यंग भारत न्यूज)

मुजफ्फरपुर: प्यार सच में इंसान को अंधा बना देता है. इसकी ताजा बानगी बिहार के मुजफ्फरपुर में देखने को मिली. जहां एक होटल का मालिक एक लड़की के प्यार में लट्टू हो गया. दिन भर उससे मीठी-मीठी बातें और फिर मुलाकातें.

लेकिन होटल के कमरे में मिलना भारी पड़ गया. लड़की ने उसके साथ अश्लील वीडियो बनाकर अपने बॉयफ्रेंड को दे दी. और युवक सेठ को डराकर ब्लैकमेल करता रहा. लगातार रुपये ऐंठता रहा. गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड ने उससे 97 लाख रुपये ठग लिए.मामला मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना इलाके का है. यहां के रहने वाले अभिषेक कुमार और उसकी प्रेमिका पर पटना के एक बड़े होटल संचालक को हनीट्रैप में फंसाकर 97 लाख रुपये वसूलने का आरोप है. मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अभिषेक के घर से 20 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं. पुलिस के मुताबिक, अभिषेक और उसकी प्रेमिका ने पहले होटल संचालक से दोस्ती की. फिर उसे अपने प्रेम जाल में फंसाया. इस दौरान उसकी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए गए. बाद में इन्हीं के आधार पर उसे ब्लैकमेल किया गया. जांच में सामने आया है कि दोनों ने अपने कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर होटल संचालक को लगातार धमकाया. डर और बदनामी के डर से पीड़ित ने उन्हें 97 लाख रुपये दे दिए. गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अहियापुर थाना क्षेत्र में एसकेएमसीएच गेट नंबर-2 के सामने स्थित अभिषेक कुमार के घर पर छापेमारी की. यहां से एक बैग में रखे 20 लाख रुपये बरामद किए गए. पुलिस का कहना है कि यह रकम उसी वसूली का हिस्सा है. एसडीपीओ टाउन-2 विनीता सिन्हा ने बताया कि शुरुआत में होटल संचालक लोक-लाज के डर से पुलिस के पास आने से बच रहे थे. बाद में पुलिस के समझाने पर उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस का कहना है कि अभिषेक कुमार, उसकी प्रेमिका और इस पूरे मामले में शामिल अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है. यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने इसी तरह किसी और व्यक्ति को भी अपना शिकार बनाया था या नहीं.

निर्वस्त्र होकर पहुंची मंदिर, मूर्ति लेकर तालाब में कूद गई; महिला इंजीनियर की मौत मामले में बड़ा खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

हैदराबाद में रहने वाली एक सॉफ्टवेयर इंजीनयिर तेजस्विनी का शव कुछ दिन पहले पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिला था। पुलिस ने तेजस्विनी की मौत की गुत्थी सुलझा ली है और इस मामले में हैरान करने वाली बातें सामने आई हैं।

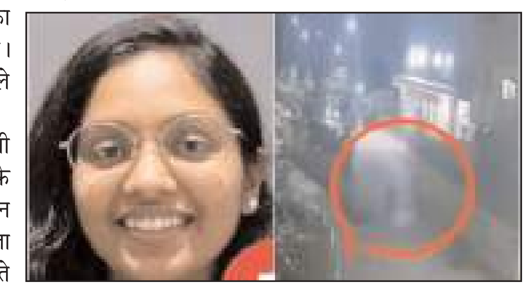

एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में पाया गया है कि तेजस्विनी नग्न होकर मंदिर में पहुंची थी और उसने वहां से मूर्ति उठा ली। इसके बाद मूर्ति के साथ ही वह तालाब में कूद गई। मेडिपल्ली पुलिस इन सारी घटनाओं के तार जोड़ने की कोशिश कर रही। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर किन परिस्थितियों के चलते उसने खुदकुशी की। शुरुआती जांच के मुताबिक तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर में गई और व हां से अण्मावारू की मूर्ति उठा ली। इसके बाद मूर्ति लेकर वह तालाब की तरफ चली गई। पुलिस का कहना है कि तेजस्विनी मूर्ति लेकर तालाब में कूद गई और उसकी जान चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। वहीं तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रहा है। अगर तालाब में मूर्ति मिलती है तो इससे इस मामले में बड़ी कामयाबी मिल सकती है। जांच के दौरान कई हैरान करने वाली बातें सामने आई हैं। तेजस्विनी किराए के जिस फ्लैट में रह रही थी, उसके लिए वह रोज 3500 रुपये का भुगतान करती थी। इस हिसाब से महीने का एक लाख रुपये से भी ज्यादा होता है। जिस अपार्टमेंट में वह रहती थी उसके ऊपर की दो मंजिलों में लॉज चलता था। वहां तरह-तरह के लोगों का आना-जाना रहता था। जांच अधिकारियों ने पूरे अपार्टमेंट की जांच की है और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है। पुलिस हर ऐंगल से इस केस की जांच कर रही है। डेथ डिक्लेरेशन, पैसों के लेनदेन और आसपास रहने वाले लोगों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तेजस्विनी ने खुदकुशी क्यों की। पुलिस ने तेजस्विनी की मां अरुणा से भी पूछताछ की है।

खाकी' का ऐसा रूप! रामपुर से बदायूं ट्रांसफर हुआ, लेकिन मिट्टी के बर्तन बेचने वाली गुनगुन से किया वादा नहीं भूले इंस्पेक्टर हरेंद्र

(यंग भारत न्यूज)

रामपुर। चार साल पहले जिले में तैनात निरीक्षक हरेंद्र सिंह को स्वार क्षेत्र के लोग आज भी उनके व्यवहार को लेकर याद करते हैं। वह अपराधियों के लिए सख्त थे तो जरूरतमंदों की मदद भी करते थे। उन्होंने सड़क किनारे मिट्टी के बर्तन बेचने वाली सात साल की बालिका गुनगुन का प्राइवेट स्कूल में दाखिला कराया था और उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर 12वीं तक की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली थी।

जिले से स्थानांतरण होने के बाद भी वह अपना वादा निभा रहे हैं और समय पर बालिका की फीस जमा करते हैं। उसकी किताबों और ड्रेस के लिए पैसा भेजते हैं। वर्तमान में वह बदायूं में सिविल लाइंस थाने के प्रभारी हैं। उनकी इस मानवता से बालिका की पढ़ाई सुचारू रूप से चल पा रही है। मुहल्ला चक स्वार में रहने वाली बालिका के पिता आदेश कुमार बताते हैं कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। वह मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। चार साल पहले तबीयत बहुत खराब हो गई थी। वह बिस्तर पर पड़े थे। पत्नी दूसरों के घरों में काम करती, जिससे हमारा घर चल रहा था।फीस जमा न कर पाने के कारण सात साल की बेटी गुनगुन की पढ़ाई छूट गई थी। मजबूरी में उसे सड़क किनारे मिट्टी के बर्तन बेचने पड़े। फरवरी 2022 की बात है। बेटी सड़क किनारे बर्तन बेच रही थी। तब स्वार कोतवाल वहां से गुजरे। बेटी को देखा तो उससे बात की। परिवार की स्थिति जानने के बाद बेटी का स्कूल में कक्षा तीन में प्रवेश दिलाया और वादा किया कि 12वीं तक की पढ़ाई का खर्च उठाएंगे। अगर उन्होंने मदद का हाथ न बढ़ाया होता तो बेटी की पढ़ाई बीच में ही छूट सकती थी। आज उनकी बदौलत बेटी प्राइवेट स्कूल में पढ़ रही है और भविष्य के बड़े सपने देख रही है। सूर्या जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाचार्य महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि गुनगुन अब सातवीं कक्षा में आ गई है। उसकी फीस समय पर जमा होती है। पूर्व स्वार कोतवाल हरेंद्र सिंह उसकी पढ़ाई को लेकर समय-समय पर फोन करके जानकारी लेते हैं। गुनगुन भी मेहनत से पढ़ रही है। बदायूं में सिविल लाइंस कोतवाली में तैनात हरेंद्र सिंह ने बताया कि स्वार कोतवाली से 30 जून 2022 को मेरा स्थानांतरण बदायूं हो गया था। तब मैं गुनगुन और उसके परिवार को अपना मोबाइल नंबर देकर आया था। गुनगुन फोन पर फीस से लेकर ड्रेस, कॉपी-किताब आदि जरूरत के बारे में बता देती है। मैं उसकी व्यवस्था कर देता हूं।

प्यार में पागल लड़की ने जो किया वो न इंसानियत में आता है न जुनून में. बॉयफ्रेंड को मिली ऐसी सज़ा कि मौत भी शर्मिंदा हो गई

(यंग भारत न्यूज)

मध्य प्रदेश में एक प्रेम कहानी ने ऐसा मोड़ लिया जो किसी ने नहीं सोचा था। एक युवती अपने प्रेमी के लिए इस कदर पागल थी कि जब उसे पता चला कि लड़का किसी और से शादी करने जा रहा है, तो उसके मन में बदले की भावना घर कर गई।

उसने प्रेमी को एक सुनसान जगह पर बुलाया, कहकर कि वह उसे आखिरी बार मिलना चाहती है। जब लड़का वहां पहुंचा, तो लड़की ने उसे एक पेय पदार्थ दिया जिसमें कुछ मिलाया गया था। वह बेहोश हो गया और होश आने पर खुद को एक अंधेरे कमरे में पाया। कमरे की दीवारों पर अजीब-अजीब चित्र बने हुए थे, और वहां किसी को बुलाने का कोई तरीका नहीं था। लड़की ने उससे कहा कि अगर वह उसे नहीं मिला, तो वह किसी और को भी नहीं मिलेगा। कई दिनों तक लड़के को उसी कमरे में भूखा-प्यासा रखा गया। आखिरकार किसी तरह वह भाग निकला और बाहर आकर अपनी कहानी बताई, जिसे सुनकर हर कोई सन्न रह गया। युवक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने युवती के खिलाफ अपहरण, ज़हर देने और शारीरिक शोषण की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवती फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है

बहू ने काटा ससुर का प्राइवेट पार्ट, बनाना चाहता था अवैध संबंध, करता था गंदी हरकतें; एक ही बारी में काल बन गई महिला

(यंग भारत न्यूज)

मुज़फ़्फ़रनगर। प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर ज़िले के बुढ़ाना इलाके से एक ऐसा मामला सामने आ रहा है जिसे जानने के बाद आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी. दरअसल, यहां एक 23 साल की महिला ने अपने 67 साल के ससुर के प्राइवेट पार्ट्स पर ब्लेड से हमला कर दिया, इतना ही नहीं, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए.

जैसे ही इस बात की सूचना पुलिस को मिली वैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया; महिला को भी हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि महिला ने अपने ससुर ज़ाकिर पर ब्लेड से हमला किया, जिसकी वजह से उन्हें गंभीर चोट आई. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि उन्हें पहले बुढ़ाना कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें ज़िला अस्पताल रेफर कर दिया. पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को इस बात की जानकारी दी है कि उसके ससुर कई दिनों से उसके साथ छेड़छाड़ कर रहे थे. उसने बताया कि हमला करने के लिए उसने नेल-कटर के ब्लेड का इस्तेमाल किया था. पुलिस ने बताया है कि परिवार की ओर से अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है; शिकायत दर्ज होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. खबरों के मुताबिक, महिला के दो छोटे बेटे हैं. उसका पति शहज़ाद हरियाणा में किराए का रिक्शा चलाकर परिवार का गुज़ारा करता है. पति के शहर से बाहर काम करने के कारण, महिला अपने दो बच्चों और ससुर के साथ घर पर रहती थी. पड़ोस में रहने वाली नज़रा ने जानकारी दी कि महिला ने पहले भी लोगों से कहा था कि उसके साथ बुरा बर्ताव हो रहा है. उनके मुताबिक, महिला ने कई लोगों से यह बात कही थी, लेकिन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया. पड़ोसी ने यह भी बताया कि घर के अंदर क्या हो रहा था, इसकी किसी को जानकारी नहीं थी, क्योंकि आस-पड़ोस के लोग उस घर में बहुत कम आते-जाते थे. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को हिरासत में ले लिया. पुलिस पूरे मामले को लेकर उससे पूछताछ कर रही है. अधिकारियों ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है.

महिला के साथ संबंध बनाते देखा, तो लगा दिया चोरी का इल्ज़ाम; कानपुर में किसान की यूं ही नहीं गई जान

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। प्रदेश के कानपुर से एक किसान के हत्याकांड मामले में हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है. यहां महाराजपुर थाना क्षेत्र के हाथी गांव में दारू पार्टी के बाद किसान हरमोहन यादव की हत्या मामले में पुलिस ने असली कातिल को गिरफ्तार किया है.

शुरुआत में इस हत्याकांड का आरोप साथ में पार्टी कर रहे तीन दोस्तों पर लगा था. लेकिन जब इस मामले में जांच की गई, तो सच कुछ और ही निकला. हत्या की असली वजह ने हर किसी को हैरान कर दिया. दरअसल, एक महिला से अवैध संबंध और 900 की चोरी के आरोपी पड़ोसी किसान ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया. यह घटना बुधवार की रात को हुई, जह हाथीगांव में ट्यूबवेल के पास तीन दोस्त अर्जुन, मुलायम और श्याम के साथ हरमोहन दारू पार्टी कर रहे थे. लेकिन इस दौरान तीनों का कुछ विवाद हो गया. इसके बाद ट्यूबवेल पर हरमोहन का खून से लथपथ शव मिला, तो परिवार ने तीनों दोस्तों पर हत्या की इल्जाम लगाया. तीनों दोस्तों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. लेकिन उन्होंने खुद को बेकसूर बताया और जांच की मांग की. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्क्कआशुतोष सिंह ने एक बार फिर से जांच शुरू की. इस बीच गांव के एक युवक ने पुलिस को सुराग दिया. हत्या वाली रात को बगल के खेत का मालिक धर्मेंद्र यादव भी गायब था. सुबह उसके हाथ पर चोट के निशान भी थे. हैरान करने वाली बात तो ये थी कि किसी को शक न हो इसलिए वह अपने परिवार के साथ ससुराल भाग गया. पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, तो पता लगा कि हरमोहन ने धर्मेंद्र पर 900 चोरी करने का आरोप लगाया और उसका कुदाल और फावड़ा छीन लिया. पुलिस ने धर्मेंद्र को उसकी ससुराल से गिरफ्तार किया. पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर पूरी घटना बताई. धर्मेंद्र ने बताया कि उसने हरमोहन को एक महिला के साथ देखा था, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया. उसका आरोप है कि हरमोहन ने बदनामी करने के लिए उस पर 900 रुपये चोरी का झूठा आरोप लगाया और उसके औजार भी ले लिए. इसी गुस्से और अपमान के कारण उसने हरमोहन की हत्या करने का फैसला किया.

धर्मेंद्र ने बताया कि बुधवार की रात हरमोहन का उसके दोस्तों से झगड़ा हुआ था. धर्मेंद्र को लगा कि बदला लेने का यही सही समय है, क्योंकि सबको शक दोस्तों पर ही जाएगा. जब हरमोहन सो गया, तो धर्मेंद्र ने पहले डंडे से उसके सिर पर मारा. फिर फावड़े से उसकी गर्दन काटकर उसकी हत्या कर दी.

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होगी गिल और ब्रुक की टीमें

लॉर्ड्स में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्ड्स पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पुल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डस पर आसानी से आउट हो गए थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, ध्रुव यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेमी ओवरटन, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग, साकिब महमूद, आदिल रशिद।

कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है। वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा, जो कोहली की तरह रन बनाए जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

खिताबी महासंग्राम आज

अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

दो बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

खबर संक्षेप

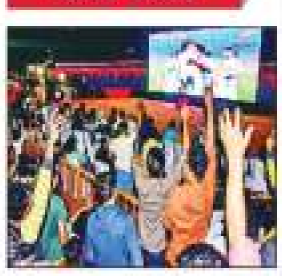

प.बंगाल में विश्व कप की लाइव स्क्रीनिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार फीफा विश्व कप फाइनल की लाइव स्क्रीनिंग यहां नंदन पर विशाल स्क्रीन पर करेगी, जिससे फुटबॉलप्रेमियों को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच यह मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अन्य जिलों में भी इस तरह विशाल स्क्रीन पर लाइव स्क्रीनिंग के इंतजाम किए जा रहे हैं। युवा सेवा और खेल विभाग दूसरे विभागों से बातचीत करके यह इंतजाम कर रहा है। इसके लिए हर जिला प्रशासन को एक लाख रुपए दिए गए हैं। मुख्य स्थल कोलकाता में नंदन, रवींद्र सदन और अकादमी परिसर होंगे, जहां दर्शकों के लिए स्टेडियम जैसा माहौल बनाया जा रहा है।

मुंबई सिटी एफसी के कोच बने मार्केज

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मनोलो मार्केज को 2026-27 सत्र के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। मनोलो इससे पहले भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया और क्लब को 2021-22 सत्र में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप का खिताब दिलाया। मुंबई सिटी एफसी ने कहा, 'मुंबई सिटी क्लब अपने नए मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज का स्वागत करता है।

भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

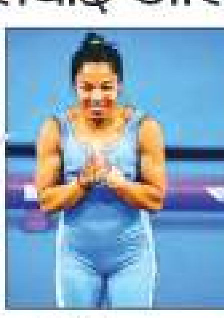

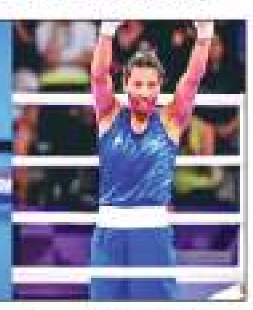

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओबीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में ये महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

इकतीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारों में शामिल हैं।

प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

बांग्लादेश की शानदार वापसी, जिम्बाब्वे को हराया

बुलावायो

बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया। लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके। बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने बनाए 186 रन

बांग्लादेश की टीम बुलावायो के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो उसके दोनों ओपनर्स ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को धो डाला। सैफ हसन और तंजिद हसन ने मिलकर टीम को 14.4 ओवर में 120 रन की शुरुआत दिलाई। सैफ हसन 45 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर चलते बने। जबकि तंजिद हसन ने भी 44 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा अंत में सैफुद्दीन ने 10 गेंद में चार छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद और तूफानी पारी खेली, तो टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन का टोटल बनाया।

हुसैन और मेहदी ने मिलकर दिलाई जीत

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के बल्लेबाज अपने ही घरेलू मैदान पर टिक नहीं सके। उनके लिए सबसे अधिक 29 रन सिर्फ रयान बर्ल ही बना सके, तो 28 रन कप्तान सिकंदर रजा ने बनाए। लेकिन ये पारियां जीत के लिए काफी नहीं थीं। बांग्लादेश के रिशाद हुसैन ने अपनी फिरकी से चार विकेट चटकाए, तो अन्य स्पिनर मेहदी हसन ने भी तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इससे जिम्बाब्वे की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ही ढेर हो गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा।

भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने के विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई

हर बच्चे को निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार : मनु

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने का विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार है।

इस स्टार निशानेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और छात्रों के भविष्य की

रक्षा के लिए अधिक जवाबदेही की आवश्यकता है। मनु ने लिखा, 'इस समय बात हमारे देश के भविष्य से जुड़ी जिंदगियों की है। बात हम सबकी है।' मनु ने कहा, 'मैं एक छात्र हूं और एक समय हम सभी छात्र रहे हैं। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए। ये कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके मौलिक अधिकार हैं।' जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है, उनकी बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी काबिलियत और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी।'

पीवी सिंधु खिताब के करीब युफेई ने बीच में छोड़ा कोर्ट

जापान ओपन : फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

टोक्यो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गईं जब जापान की चेन युफेई ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया। सिंधु उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधु का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

यामागुची का सिंधु के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधु का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुम वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधु के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधु

मैच के बाद सिंधु ने कहा, मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है, खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधु ने कहा, 'मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैंने बढ़त बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था। कई बार आगे चलने के बाद अंक गंवाने से निराशा आ जाती है। दिमाग में काफी कुछ चल रहा होता है।'

रैंकिंग कुश्ती सीरीज : हरियाणा के खिलाड़ियों ने तीन पदक अपने नाम किए

नेहा ने स्वर्ण, मानसी ने रजत और सविता ने कांस्य जीता

रोहतक

हंगरी में आयोजित की जा रही बुडापेस्ट रैंकिंग कुश्ती सीरीज में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें शुक्रवार को देर रात हुए मुकाबलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने तीन पदक जीते। बदरी की नेहा सांगवान ने महिलाओं के 59 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी मानसी अहलावत ने महिलाओं के 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता,

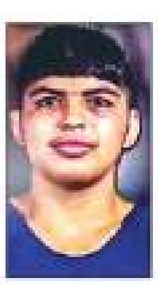

जबकि सविता ने इसी वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। मानसी और सविता रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती है। 59 किलोग्राम वर्ग में, नेहा सांगवान ने फाइनल में मौजूदा पैन-एम चैंपियन अमेरिका की अबीगैल नेट को 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह नेहा का लगातार दूसरा रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक था, इससे पहले उन्होंने पिछले महीने उलानबटार ओपन में भी जीत हासिल की थी। 18 वर्षीय भारतीय पहलवान ने जॉर्जिया की ओथेली होइई को 7-4 से और कजाकिस्तान की पहलवान अल्तीन शागायेवा को 6-4 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए दावेदारी पेश की। नेहा ने इस साल की शुरुआत में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक और मुहम्मद मेलो रैंकिंग सीरीज में रजत पदक भी जीता था। रोहतक की मानसी अहलावत ने बाद रजत पदक जीता। पिछले साल बुडापेस्ट प्रतियोगिता में गोडिनेज को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था। इससे पहले, युवा ओलंपिक में रजत पदक विजेता मानसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। उलानबटार ओपन में कांस्य पदक जीतने के बाद मानसी अहलावत का यह इस साल का दूसरा रैंकिंग सीरीज पदक था। इस बीच, सेमीफाइनल में मानसी से हारने के बाद, रोहतक की सविता ने कजाकिस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 14-5 के अंतर से हराकर कांस्य पदक से संतोष किया। कोच मनदीप ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप

दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलैटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इंडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) कमाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप, इन्वेस्को, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉलकैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इन्वेस्को इंडिया मिड कैप, एचडीएफसी मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा : विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकते हैं।

बहुत ज्यादा एसआईपी से नहीं, सही रणनीति से बनेगी दौलत

नया म्यूचुअल फंड जोड़ने से पहले जांचें कि वास्तव में जरूरत है या नहीं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में बढ़ती जागरूकता के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में निवेशक हर महीने सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश कर रहे हैं। अक्सर यह धारणा बन जाती है कि जितने अधिक म्यूचुअल फंड होंगे, उतना ही बेहतर रिटर्न मिलेगा और जोखिम कम होगा। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। कई बार जरूरत से ज्यादा फंड रखने से पोर्टफोलियो में एक जैसी कंपनियों का दोहराव बढ़ जाता है, जिससे वास्तविक विविधीकरण नहीं हो पाता और निवेश का उद्देश्य भी प्रभावित हो सकता है।

फंडों की संख्या नहीं, गुणवत्ता और उद्देश्य है महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी निवेशक के लिए कितनी एसआईपी या कितने म्यूचुअल फंड होने चाहिए, इसका कोई तय नियम नहीं है। यह पूरी तरह निवेश राशि, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है, तो उसके लिए चार से छह अच्छे म्यूचुअल फंड पर्याप्त हो सकते हैं। वहीं, 40 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक आठ से दस फंड तक रख सकते हैं। हालांकि, इन फंडों का चयन अलग-अलग श्रेणियों और अलग-अलग एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) से होना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो में वास्तविक विविधीकरण बना रहे।

ओवर-डाइवर्सिफिकेशन से भी हो सकता है नुकसान

निवेश में विविधीकरण जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा विविधीकरण नुकसानदेह भी हो सकता है। यदि किसी निवेशक के कई फंड एक ही तरह की कंपनियों में निवेश करते हैं, तो फंडों की संख्या बढ़ने के बावजूद जोखिम कम नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास 10 इक्विटी फंड हैं और अधिकांश फंड एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में ही निवेश करते हैं, तो अलग-अलग स्कीम होने के बावजूद वास्तविक निवेश लगभग समान रहेगा। ऐसे में पोर्टफोलियो केवल दिखने में बड़ा होगा, लेकिन उसमें नई विविधता नहीं जुड़ेगी।

पोर्टफोलियो ओवरलैप पर रखें नजर

म्यूचुअल फंड चुनते समय सबसे महत्वपूर्ण बात पोर्टफोलियो ओवरलैप होती है। इसका अर्थ है कि दो अलग-अलग फंडों में कितनी समान कंपनियां शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दो फंडों के बीच 20 से 30 प्रतिशत तक ओवरलैप है, तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन यदि यह 40 से 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाए, तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। अधिक ओवरलैप का मतलब है कि अलग-अलग फंड रखने के बावजूद निवेश लगभग एक जैसी कंपनियों में ही हो रहा है।

हर नया एनएफओ खरीदना जरूरी नहीं

कई निवेशक बाजार में आने वाले हर नए म्यूचुअल फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है कि नया फंड भविष्य में बेहतर रिटर्न देगा। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी एनएफओ में निवेश करने से पहले उसकी निवेश रणनीति, उद्देश्य और मौजूदा पोर्टफोलियो से उसका अंतर समझना जरूरी है। यदि नया फंड वही काम कर रहा है जो पहले से मौजूद फंड कर रहे हैं, तो उसमें निवेश करना केवल दोहराव बढ़ाएगा।

संतुलित एसेट एलोकेशन है सफलता की कुंजी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशकों को बाजार की तेजी या गिरावट देखकर फैसले लेने से बचना चाहिए। इसके बजाय लक्ष्य आधारित निवेश रणनीति अपनानी चाहिए। इक्विटी पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 25 प्रतिशत मिड कैप और 20 प्रतिशत स्मॉल कैप फंड में रखने से संतुलन बनाया जा सकता है। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार डेट फंड या अन्य परिसंपत्तियों में भी निवेश रखना चाहिए, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो।

निवेशकों को मिला बड़ा फायदा

5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

- 310 में से हर तीसरे फंड ने दिया 100% से अधिक रिटर्न
- चार स्कीमों ने सिर्फ तीन साल में किया कमाल
- पुराने रिटर्न देखकर निवेश न करें, सेक्टोरल फंड्स में लें एंट्री

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए।

सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, फ्रैंकलिन इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डायवर्सिफाइड मिडकैप श्रेणी में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने पांच वर्षों में करीब 172 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को शानदार कमाई कराई।

तीन साल में पैसा दोगुना करने वाले फंड

अगर केवल तीन वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो एचडीएफसी डिफेंस फंड सबसे आगे रहा। इस फंड ने करीब 174 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी तीन साल पहले लगाए गए एक लाख रुपये बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये हो गए। इसके अलावा बंधन स्मॉल कैप फंड ने 106 प्रतिशत, क्वांट बीएफएसआई फंड ने 101.73 प्रतिशत और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने 100.24 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि एसबीआई पीएसयू फंड 99.12 प्रतिशत रिटर्न के साथ इस सूची में शामिल होने से मामूली अंतर से चूक गया।

किन सेक्टरों ने दिलाया सबसे ज्यादा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में जिन सेक्टरों ने निवेशकों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया, उनमें डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर, स्मॉलकैप, हेल्थकेयर और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई) प्रमुख रहे। इन क्षेत्रों में सरकार के पूंजीगत खर्च, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सार्वजनिक उपक्रमों के बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेक्टोरल फंड हमेशा एक जैसी तेजी नहीं दिखाते। इनमें तेजी और मंदी आर्थिक चक्र के अनुसार आती-जाती रहती है।

क्या अब भी इनमें निवेश करना सही रहेगा?

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि निवेशकों को केवल पिछले शानदार रिटर्न देखकर किसी सेक्टोरल या थीमैटिक फंड में निवेश नहीं करना चाहिए। किसी भी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। उनके अनुसार, सेक्टोरल फंड्स में सही समय पर निवेश करना और सही समय पर बाहर निकलना काफी महत्वपूर्ण होता है।

दो साल में कई स्टार फंड्स की रफ्तार हुई धीमी

- पांच वर्षों में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई फंड्स का पिछले दो वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।
- उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने पिछले दो वर्षों में केवल 5.28 प्रतिशत रिटर्न दिया। एसबीआई पीएसयू फंड का रिटर्न 0.75 प्रतिशत रहा, जबकि आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड और इन्वेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया।
- इसी तरह एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और डीएसपी इंडिया टाइगर फंड का प्रदर्शन भी पिछले दो वर्षों में काफी धीमा रहा। इससे साफ है कि किसी सेक्टर में तेज रैली के बाद कुछ समय तक ठहराव या गिरावट आना सामान्य बात है।

छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

- लाइफस्टाइल से समझौता किए बिना हर माह कुछ न कुछ बचत करें
- अच्छी बचत का मतलब कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना
- आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाना जरूरी
- स्मार्ट मनी मैनेजमेंट से वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे खुशहाल
- हर खरीदारी से पहले खुद से सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है

मनी मंत्रा

बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

शिवाजी नगर प्रवास पर मैराथन बैठकों के साथ जिलाध्यक्ष द्वारा , अनुसूचित समाज के वरिष्ठजनों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में धानुक, बरार, वंशकार समाज सहित प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को सम्मानित किया गया

- मंडल प्रवास पर पहुंचे जिलाध्यक्ष द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' रोपित कर दिया सेवा और समर्पण का संदेश....

मां काली के दर्शन कर संपन्न हुआ तृतीय दिवस शिवाजी नगर मंडल प्रवास

- हर बूथ पर तैयार किये 25 डिजिटल योद्धा

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक प्रवास अभियान केझांसी महानगर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने शिवाजी नगर मंडल का एक दिवसीय प्रवास किया ।इस प्रवास का मुख्य उद्देश्य डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के जरिए प्रत्येक बूथ पर 25 कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है।

प्रवास के तीसरे दिन संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए बैठकों और जनसंपर्क शुरू किया। डिजिटल सशक्तिकरण और रणनीतिक बैठकें जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने प्रवास के दौरान विभिन्न संगठनात्मक स्तरों पर मैराथन बैठकें कीं। इन बैठकों को मुख्य रूप से निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया गया बूथ स्तरीय संवाद कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सक्रिय करने के लिए बूथ समिति और पन्ना प्रमुखों के साथ संगठनात्मक चर्चा की गई। साथ ही वार्ड नंबर 33 मै शक्ति केंद्र के प्रवासियों और संयोजकों की बैठक लेकर जिम्मेदारियां तय की गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्च , वार्ड नंबर 18 मै मंडल के पार्षदों, पूर्व पार्षदों और पार्षद प्रत्याशियों के साथ बैठक कर स्थानीय विकास और जनसमस्याओं पर मंथन हुआ। वार्ड नंबर 27 मै पदाधिकारियों व मोर्चा अध्यक्षों के साथ विमर्श: मंडल के पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों, महामंत्रियों, संयोजकों, सह-संयोजकों और महिला पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। वार्ड नंबर 54 मै मंडल में निवास करने वाले पूर्व जिला व मंडल पदाधिकारियों, पुरातन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और विचार परिवार के सदस्यों के साथ विशेष बैठक कर उनका मार्गदर्शन लिया गया।

'चाय पर चर्चा' और जनसंपर्क

औपचारिक बैठकों के अलावा जिलाध्यक्ष ने जमीनी जुड़ाव को मजबूत करने के लिए मंडल पदाधिकारियो के साथ बैठक की और वार्ड नंबर 2 मै बूथ अध्यक्षों के निवास पर 'चाय पर चर्चा' की। उन्होंने स्थानीय पार्कों का भ्रमण कर आम नागरिकों और उनके परिजनों से भी सीधा संवाद स्थापित किया। इसके साथ ही क्षेत्र के मठ-मंदिरों में दर्शन मै काली माता के मंदिर के दर्शन कर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया ।प्रवास के अंतिम चरण में वार्ड नंबर 4 खुशीपुरा मंडल प्रभारी, सह प्रभारी के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई । भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आज रविवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में धानुक, बरार, वंशकार समाज सहित प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को सम्मानित किया गया ।समारोह में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

राजनीतिक भागीदारी की उठी मांग

समारोह के दौरान समाज के विभिन्न वक्ताओं ने धानुक, बरार और वंशकार समाज की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष के समक्ष अपनी बात रखते हुए आगामी समय में समाज को उचित राजनैतिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी दिलाए जाने की मांग रखी ।कार्यक्रम मै मुख्य अतिथि सुधीर सिंह जिलाध्यक्ष, भाजपा एवं मचासीन रहे संजीव अग्रवाल एवं कपिल विरसैनिया , बालकिशन जिला पंचायत सदस्य चिरगांव समारोह में बबीना के पूर्व ब्लॉक प्रमुख कल्याण सिंह बरार, ललितपुर से आए समाज चिंतक खुशाल बरार, आशाराम धानुक, नरेंद्र धानुक, रोहित (मऊरानीपुर), मिलन वंशकार (प्रधान), भगवान दास, परशुराम (बरूआसागर), कमल मुखिया, अमान नन्ना, रतन लाल पासवान, किरन वर्मा, मनीष, नारायण दास, अमित पासवान, कन्हैया, बलवीर, रवि, रीना अधिकार, राजेन्द्र वंशकार, ब्रजलाल सिंह बरार, भगवान दास वर्मा, गब्बर बरार, अरविंद कुमार एवं पवन भारती सहित समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, संचालन एवं आभार कार्यक्रम का कुशल संचालन हरीश कुमार बरार ने किया एवं आभार अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष कृष्णा वर्मा ने मुख्य अतिथि सहित पधारे हुए सभी अतिथियों और स्वजातीय बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष साथ ही मंडल प्रवास मै मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें दिनभर के प्रवास के निष्कर्षों पर चर्चा की गई ।इस पूरे प्रवास कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल लाला ,मंडल साह प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा ,मंडल अध्यक्ष दिलीप पुरी , पार्षद मोनिका नगरिया ,दीपक साहू ,रोहित कुशवाहा,विकास नगरिया ,रवि राजपूत ,कृष्ण कुमार दुबे ,प्रिंस कुशवाह कृष्ण वर्मा ,सुनील रजक , कृष्ण राय , भूपेंद्र सिंह, मोहित रायकवार , अमित गुप्ता ,दिनेश कुशवाहा ,संदीप करोसिया आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

सभापति कुं मानवेन्द्र सिंह नः किया स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण

(यंग भारत न्यूज)

मोंठ ।समथर नगर जी आई सी रोड स्थित पार्क में उत्तर प्रदेश विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया विशिष्ट अतिथि में गरौंठा विधायक जवाहरलाल लाल राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटैल सहित अन्य मुख्य अतिथि मंचाशीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कंसाना ने की। मुख्य अतिथि मानवेन्द्र सिंह विधान परिषद सभापति ने मां सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें पुष्प माला पहनाकर नमन किया। इसके पश्चात नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कंसाना ने सभी वार्ड पार्षद व नगरपालिका स्टाफ सहित मुख्य अतिथि सहित सभी का सोल उढ़ाकर व स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर कार्यक्रम में सभी पार्षदगण सहित नगरपालिका स्टाफ, भाजपा के पदाधिकारी ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं नगर के बहुत से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाने का अवसर, पेपर प्रेजेंटेशन से निखरते हैं सीए विद्यार्थियों के कौशल

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई केवल कानूनों और लेखांकन तक सीमित नहीं है। बदलते पेशेवर परिवेश में शोध, विश्लेषण, प्रभावी संप्रेषण और मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक हो गई है। इन्हीं कौशलों को विकसित करने के उद्देश्य से आईसीएआई भवन में सीकासा झाँसी द्वारा 'मास्टरिंग आईसीएआई कॉन्फ्रेंस पेपर प्रेजेंटेशन' विषय पर विशेष सेमिनार आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सीए श्रुति गुरनानी रहीं, जिन्हें पूर्व में आईसीएआई की राष्ट्रीय पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 'बेस्ट पेपर प्रेजेंटर' सम्मान प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि आईसीएआई की राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रेजेंटेशन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए अपनी शोध क्षमता, तकनीकी ज्ञान और प्रस्तुतीकरण कौशल को देशभर के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्योग विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं के समक्ष प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे मंच विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर पर ही राष्ट्रीय पहचान, आत्मविश्वास और व्यावसायिक नेटवर्क प्रदान करते हैं। उन्होंने शोध विषय के चयन से लेकर संदर्भ सामग्री के अध्ययन, डेटा विश्लेषण, प्रभावी कंटेंट तैयार करने, आकर्षक प्रस्तुतीकरण, समय प्रबंधन तथा निर्णायकों के प्रश्नों का आत्मविश्वास के साथ उत्तर देने की तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन के साथ लेखन और सार्वजनिक वक्तृत्व कौशल पर भी समान रूप से कार्य करने का आह्वान किया। सीकासा चेयरपर्सन सीए श्वेता अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है। एक सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए प्रभावी संप्रेषण, शोधपरक सोच और नेतृत्व क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सीकासा झाँसी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और नेतृत्व मंचों के लिए तैयार करने हेतु निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आईसीएआई की पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं एवं अन्य बौद्धिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों ने पेपर चयन, प्रस्तुतीकरण शैली एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ द्वारा विस्तार से समाधान किया गया। कार्यक्रम में महिमा अग्रवाल, अभिषेक सेठ, अर्पित राय, अर्पित अग्रवाल, तनिष्क, अभि गुप्ता, वेद सराओगी, श्रुति, वंशिका, पलोमी, तनिष्का, मालविका, सत्य, सत्यम, प्रतीक सैनी, नितेश, सुरेश निगम, खुशी, माही, रितिका, अरिहंत सहित बड़ी संख्या में सीए विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सीकासा टीम ने विद्यार्थियों से आगामी आईसीएआई कॉन्फ्रेंस एवं पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक भागीदारी कर झाँसी का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त रूप से करने का आह्वान किया।

कॉफी पीकर लौट रहे छात्रों को 10 युवकों ने पीटा

- बीच सड़क पर लात-घूसे बरसाए, कॉलेज में गाड़ी हटाने को लेकर हुआ था विवाद

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जनपद में 10 युवकों ने 2 छात्रों को बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा। कार और 2 बाइक से पहुंचे युवकों ने स्कूटी सवार 3 छात्रों को घेर लिया। इसके बाद बीच सड़क पर लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान एक छात्र किसी तरह भागकर कॉफी शॉप में घुस गया और अपनी जान बचाई।

जानकारी के मुताबिक, करीब ढ़ाई महीने पहले कॉलेज में गाड़ी हटाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। उसी समय से दोनों के बीच रंजिश चली आ रही थी। बुधवार रात तीनों छात्र स्कूटी से कॉफी पीकर घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में आरोपियों ने उन्हें रोक लिया और हमला कर दिया। घटना 15 जुलाई की रात करीब 12:30 बजे नवाबाद थाना क्षेत्र में आईजी ऑफिस के पास हुई। रविवार दोपहर करीब 2 बजे मारपीट का उउळश् वीडियो सामने आया। वीडियो आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। खुशीपुरा मोहल्ले में रहने वाले 19 साल के दानिश बक्श एसआरजीआई इंजीनियरिंग कॉलेज में बीसीए थर्ड सेमेस्टर के छात्र हैं। दानिश ने बताया- 29 अप्रैल को कॉलेज में कॉन्सर्ट था। मैं अपने दोस्त के साथ कार से वहां गया था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद पार्किंग में पहुंचे तो कार के पीछे हर्ष नाम के युवक की बुलेट खड़ी थी। वह हमारे कॉलेज का छात्र भी नहीं है। हमने उससे बाइक हटाने को कहा तो वह बहस करने लगा। इसी बात पर कहासुनी हुई और तभी से वह हमसे रंजिश रखने लगा। दानिश ने बताया- 15 जुलाई की रात मैं अपने दो दोस्तों के साथ आईजी ऑफिस के पास 247 शॉप पर कॉफी पीने गया था। बाहर निकले तो देखा कि हर्ष अपने साथियों के साथ पहले से वहां खड़ा था ।हम स्कूटी से घर के लिए निकले तो वे भी पीछे लग गए। रास्ते में स्कूटी में लात मारने लगे। उनके हाथों में धारदार हथियार भी थे। डर के कारण हम स्कूटी मोड़कर फिर से 247 शॉप की तरफ आ गए। वहां पहुंचते ही उन्होंने तीन बाइक और एक कार से हमारी स्कूटी को चारों तरफ से घेर लिया। मैं किसी तरह दौड़कर कॉफी शॉप के अंदर घुस गया। आरोपी मुझे पकड़ने के लिए पीछे आए, लेकिन मैं बच गया। इसके बाद उन्होंने मेरे दोनों दोस्तों को बीच सड़क पर लात-घूंसों से जमकर पीटा। जाते-जाते धमकी देकर बोले- दानिश को नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद सभी वहां से भाग गए ।दानिश के पिता इकराम ने बताया- कॉलेज में विवाद होने के बाद बेटा घर आया तो उसने पूरी बात बताई। मैं खुद हर्ष के घर गया और बेटे की तरफ से माफी भी मांग ली। मैंने कहा था कि शाम को दानिश से भी माफी मंगवा दूंगा, लेकिन वह घर नहीं आया। मुझे लगा मामला खत्म हो गया है। बाद में बेटे ने बताया कि हर्ष अपने साथियों के साथ उसका पीछा कर रहा है, लेकिन मैंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लगा कि अब कोई विवाद नहीं होगा। इसके बाद उन्होंने मेरे बेटे और उसके दोस्तों को घेरकर पीट दिया।

यूट्यूबर सत्या यादव सहित दो खिलाफ रंगदारी मांगने और हत्या की धमकी देने के आरोप में मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। चिरगांव थाना पुलिस ने यूट्यूबर सत्या यादव ओर उसके साथी के खिलाफ रंगदारी मांगने ओर हत्या की धमकी देने के आरोप में गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

हवेली मोहल्ला निवासी अभिषेक पाराशर ने चिरगांव थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि पहलपुरा निवासी सत्यव्रत उर्फ सत्या यादव ने एक माह पूर्व उसे धमकी देते हुए कहा था कि अगर तुम अपनी ओर परिवार की जिंदगी चाहते हो तो मुझे दस हजार रुपए दे देना। अभिषेक ने बताया कि वह सत्या की धमकी से काफी घबरा और डर गया था ओर वह अपने मित्र इंद्रजीत के साथ सत्या यादव के पास गया ओर उसे दस हजार रुपए दे दिया। मेरे मित्र ने मुझसे पूछा यह दस हजार किस बात के दिए तो अभिषेक ने उसे किसी को बताना मत सत्या ने उसे व परिवार को हत्या करने की धमकी दी थी उसी के बदले वह उसे पैसे देने गया था। अभिषेक ने बताया कि 17 जुलाई 2026 उसे सत्या यादव अपने साथी बृज पाल उर्फ अम्पू ने उसे रोक लिया और उससे बीस हजार रुपए की अवैध मांग की, रुपए न देने पर उसे व परिवार की हत्या करने की धमकी दी है। पुलिस ने सत्या यादव सहित उसके साथी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आपको बता दे कि सत्या यादव यूट्यूब पर ब्लॉग बनाता है उसके हजारों सोशल मीडिया पर फॉलोअर है, वह अभी हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर में हुई चोरी की घटना पर वीडियो बनाने के मामले में चचाओं में आया था।

डीएम ने नए 6 एसडीएम को तैनाती दी

-देवेंद्र प्रताप सिंह को सदर, माज अख्तर को मोठ लगाया, मनोज भारती को मऊरानीपुर भेजा

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जनपद में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने शनिवार देर रात 7 एसडीएम के ट्रांसफर किए हैं। इसमें अन्य जनपदों से ट्रांसफर होकर आए 6 नए एसडीएम को तैनाती दी गई, जबकि एक एसडीएम का कार्यक्षेत्र बदला गया है। इसके तहत देवेंद्र प्रताप सिंह को सदर एसडीएम बनाया गया। जबकि माज अख्तर को मोठ एसडीएम बनाया गया है। आशीष कुमार सिंह को टहरौली एसडीएम बनाया गया। जबकि गरौठा एसडीएम (न्यायिक) मनोज कुमार भारती को मऊरानीपुर एसडीएम बनाया गया है।

यूपी एसआई में चयनित हुईं सुरभि अग्रवाल, गांव में खुशी की लहर

(यंग भारत न्यूज)

बामौर। बामौर निवासी बृजबिहारी अग्रवाल की पुत्री सुरभि अग्रवाल का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (एसआई) पद पर होने से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके चयन की खबर मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पहले सुरभि का चयन महिला कांस्टेबल के पद पर हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य को ऊंचा रखते हुए लगातार मेहनत और लगन से तैयारी जारी रखी। कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने उपनिरीक्षक पद प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सुरभि की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे बामौर क्षेत्र का गौरव बढ़ा है। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी सफलता युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह साबित करती है कि निरंतर प्रयास और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718